



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 50]

नई दिल्ली, शनिवार, विसम्बर 15, 1973/अग्रहायण 24, 1895

No. 50] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 15, 1973/AGRAHAYANA 24, 1895

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासकों को छोड़कर)

केंद्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधिक आदेश और अधिसूचनाएँ

Notified and notifications issued by the Ministries of the Government of India

नगर का एक प्रतिनिधि होगा; और

(iv) एक प्रतिनिधि राज्य परिवहन प्राधिकारी, दिल्ली का होगा।

[सं 15-टी०ए०जी(2)/73]

एन० ए० ए० नारायणन, प्रवर सचिव

New Delhi, the 23rd November, 1973

S.O. 3402.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (a), (b), (c) and (d) of sub-section (2) of Section 44 of the Road Transport Corporations Act, 1950 (64 to 1950), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Transport Corporation (Members) (Amendment) Rules, 1973.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Delhi Transport Corporation (Members) Rules, 1973, in rule 3, for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:—

“(d) Six persons of whom—

- (i) one shall be a representative of New Delhi Municipal Committee;
- (ii) one shall be a representative of the Delhi Metropolitan Council elected from among the members of the Council in accordance with the system of proportional representation by means of a single transferable vote;
- (iii) one shall be a representative of the Delhi Municipal Corporation elected from among the members of the Delhi Municipal Corporation in accordance

लिए निर्विवाद किया गया है। इसे अब सफदरजंग हवाई-अड्डे का कायम रखने के लिए ‘सरकूलेशन यूज’ के लिए परिवर्तित करने का प्रस्ताव है।”

प्रस्तावित संशोधन को हंगल करने वाली योजना कार्यालय दिल्ली विकास प्राधिकरण, दिल्ली विकास भवन, इन्द्रप्रस्था इस्टेट, नई दिल्ली में शनिवार को छोड़ समस्त कार्यशील दिनों में उक्त अवधि में निरीक्षण हेतु उपलब्ध होगी।

[सं. एफ. 3(120)/73-रम. पी.]

DELHI DEVELOPMENT AUTHORITY

New Delhi, the 8th December, 1973

PUBLIC NOTICE

S.O. 3403.—The following modification which the Central Government proposes to make to the Master Plan for Delhi is hereby published for public information. Any person having any objection or suggestion with respect to the proposed modification may send the objection or suggestion in writing to the secretary, Delhi Development Authority, Delhi, Vikas Bhawan Indraprastha Estate, New Delhi within a period of thirty days from the date of this notice. The person making the objection or suggestion should also give his name and full address.

MODIFICATION

“The area bounded by Race Course and Safdarjang Tomb in the north, railway line in the south, nallah in the west and Mehrauli Road in the east, measuring about 91.00 hectares and earmarked for recreational use in the Master Plan is proposed to be changed for ‘Circulation Use’ for the retention of Safdarjang Airport.”

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

का. आ. 3480.—एकाधिकार एवं निर्बन्धनकारी व्यापार प्रथा अधिनियम, 1969 (1969 का 54) की धारा 28 की उप-धारा (3) के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एतद्वारा मैसर्स खटाऊ जंकर लिमिटेड के कथित अधिनियम में अन्तर्गत पंजीकरण (पंजीकरण प्रमाण-पत्र संख्या 680170 दिनांक 14-12-1970) के निरस्तीकरण को अधिसूचित करती है।

[संख्या 2/9/73-एम. 21]

ए. कं. घोष, अवर सचिव

**MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY
AFFAIRS**

Department of Company Affairs

New Delhi, the 29th November, 1973

S.O. 3460.—In pursuance of sub-section (3) of section 26 of the Monopolies and Restrictive Trade Practices Act, 1969 (54 of 1969), the Central Government hereby notifies the cancellation of registration of M/S KHATAU JUNKER LIMITED under the said Act (Certificate of Registration No. 680/1970 dated the 14th December, 1970).

[No. 2/9/73-M(II)]

A. K. GHOSH, Under Secy.

विस्त मंत्रालय
(राजस्व और बीमा विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

आयकर

का. आ. 3481.—केंद्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 138 की उपधारा (1) के खण्ड (1) के खण्ड (क) के उपखण्ड (2) के अनुसरण में इस उपखण्ड के प्रयोजनों के लिए समानात्मक आर्थिक-व्यवस्था तथ्य निष्कर्ष समिति विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. 504(403/80/73-आई टी सी सी)]

एम. एन. नम्बियार, अवर सचिव

**MINISTRY OF FINANCE
(Department of Revenue & Insurance)**

New Delhi, the 27th November, 1973

INCOME TAX

S.O. 3461.—In pursuance of sub-clause (ii) of clause (a) of sub-section (1) of Section 138 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), the Central Government hereby specifies the Fact Finding Committee on Newspaper Economics for the purposes of that sub-clause

[No. 504/403/80/73-ITCC]

M. N. NAMBIAR, Under Secy.

आवेश

स्टाम्प

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3462.—केंद्रीय सरकार, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (क)

द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उस शुल्क से छूट देती है, जो जम्मू और काश्मीर विद्युत बोर्ड द्वारा जारी किये जाने वाले चार करोड़ बाह्य लाख पचास हजार रुपयों के मूल्य के 6 प्रतिशत जम्मू और काश्मीर विद्युत बोर्ड बंधपत्र, 1985 पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं।

[सं. 36/73-स्टाम्प/का.सं. 471/62/73-सी.श. 7]

**ORDERS
STAMPS**

New Delhi, the 15th December, 1973

S.O. 3462.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the 6 per cent Jammu and Kashmir Electricity Board Bonds 1985 to the value of four crores twelve lakhs fifty thousand of rupees, to be issued by the Jammu and Kashmir Electricity Board, are chargeable under the said Act.

[No. 36/73-Stamps/F. No. 471/62/73-Cus. VII]

का. आ. 3463.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खंड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उस शुल्क से छूट देती है, जो वर्ष 1973-74 के दौरान मैसूर राज्य वित्तीय निगम द्वारा जारी किए जाने वाले एक करोड़ और दस लाख रुपयों के मूल्य के बन्धपत्रों पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभार्य हैं।

[सं. 35/73-स्टाम्प/का. सं. 471/71-सी. श. 7]

S.O. 3463.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds of the value of one hundred and ten lakhs of rupees, to be issued by the Mysore State Financial Corporation during the year 1973-74 are chargeable under the said Act.

[No. 35/73-Stamps/F. No. 471/71/73-Cus. VII].

का. आ. 3464.—केंद्रीय सरकार, भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पूर्ण सिटी नगर निगम, पूर्ण सिटी, महाराष्ट्र राज्य को, उक्त निगम द्वारा जनवरी, 1973 के मास में डिसेंबरों के रूप में चालू किए गए एक करोड़ रुपयों खर्चे गारु उधार के मद्दे प्रभाव एक लाख रुपयों के समीकित स्टाम्प शुल्क का संदाय करने के लिए अनुज्ञा देती है।

[सं. 37/73-स्टाम्प/का. सं. 471/68/73-सी. श. 7]

जे. रामकृष्णन, अवर सचिव

S.O. 3464.—In exercise of the powers conferred by clause (b) of sub-section (1) of section 9 of the Indian Stamps Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby permits the Pune City Municipal Corporation, Pune City, Maharashtra State to pay consolidated stamp duty of one lakh

rupees chargeable on account of the open market loan of one crore of rupees floated by the said Corporation in the form of debentures in the month of January 1973.

[No. 37/73-Stamps/F. No. 471/68/73-Cus. VII]

J. RAMAKRISHNAN, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1973

सीमा-शुल्क

का. आ. 3465.—सीमा-शुल्क अधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 9 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क और सीमा-शुल्क बोर्ड, केरल राज्य में अलेप्पी जिले में स्थित कोमलपुरम का भाण्डागारण केन्द्र के रूप में घोषित करता है।

[सं. 142/73-सीमा./का. सं. 473/155/73-सीमा. 7]

कै. शंकरामन, अधर सचिव

Central Board of Excise and Customs

New Delhi, the 15th December, 1973

CUSTOMS

S.O. 3465.—In exercise of the powers conferred by section 9 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Board of Excise and Customs hereby declares Komalapuram situated in the Alleppey District in the state of Kerala, as a warehousing station.

[No. 142/73/Customs/F. No. 473/155/73-Cus. VII]

K. SANKARARAMAN, Under Secy.

(बैंकिंग विभाग)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3466.—कृषिक पुनर्वित्त निगम अधिनियम, 1963 (1963 का 10वां) की धारा 10 के खण्ड (ग) के द्वारा प्राप्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा श्री एम. ए. कुरैशी, सचिव, कृषि मंत्रालय, सामुदायिक विकास और सहकारिता विभाग, को श्री के. एन. चन्ना के स्थान पर कृषिक पुनर्वित्त निगम का निदेशक नामित करती है।

[सं. एफ. 14/9/71-कृषि-रक्षण एक]

अमल कुमार दत्त, संयुक्त सचिव

(Department of Banking)

New Delhi, the 5th December, 1973

S.O. 3467.—In exercise of the powers conferred upon it by clause (c) of Section 10 of the Agricultural Refinance Corporation Act, 1963 (10 of 1963), the Central Government hereby nominates Shri M. A. Quraishi, Secretary, Ministry of Agriculture, Department of Community Development and Co-operation, as Director of the Agricultural Refinance Corporation vice Shri K. N. Channa.

[No. F. 14/9/71-ACI]

A. K. DUTT, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 19 नवम्बर, 1973

का. आ. 3467.—बैंककारी कम्पनी (उपक्रमां का अर्जन और अन्तर्गण) अधिनियम, 1970 (1970 का 5 की धारा 9 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् राष्ट्रीयकृत बैंक

(प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इस स्कीम का नाम राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) (पांचवां संशोधन) स्कीम, 1973 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगी।

2. राष्ट्रीयकृत बैंक (प्रबंध और प्रकीर्ण उपबंध) स्कीम, 1970 में, खण्ड 8 में, उपखण्ड (2) में, "प्रथम नियुक्ति की दशा में," "और किसी पश्चात्वर्ती नियुक्ति की दशा में बोर्ड से परामर्श करने के पश्चात्" शब्दों का लोप कर दिया जाएगा।

[सं. एफ. 8/6/73-बी. ओ. 1]

डी. म. सुकथानकर, निदेशक

New Delhi, the 19th November, 1973

S.O. 3467.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1970 (5 of 1970), the Central Government, after consultation with the Reserve Bank, hereby makes the following Scheme further to amend the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, namely :—

1. (1) This Scheme may be called the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) (Fifth Amendment) Scheme, 1973.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Nationalised Banks (Management and Miscellaneous Provisions) Scheme, 1970, in clause 8, in sub-clause (2), the words "in the case of first appointment, and after consultation with the Board in the case of any subsequent appointment" shall be omitted.

[No. F. 8/6/73-BO. I]

D. M. SUKTHANKAR, Director.

समाहर्ता कार्यालय, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

मद्रास, 15 अक्टूबर, 1973

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

का. आ. 3468.—1944 की केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियमावली के 44 वें नियम के अधीन प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं एतद्वारा उपावृद्ध रारणी में उल्लिखित उत्पाद शुल्क योग्य माल के अभिनमिताओं से जिन्हें उत्पाद शुल्क योग्य माल अभिनिर्मित करने का लाइसेंस प्राप्त करने के लिए ए. एल. 4, प्ररूप में आवेदन पत्र दाखिल करते समय, 50 रु. या इससे अधिक राशि अनुज्ञप्ति फीस के रूप में अदा करनी पड़ती है, विधिवत हस्ताक्षरित डी-2 प्रपत्र में घोषणा प्रस्तुत करने की अपेक्षा करता हूँ जिसमें उन्हें इस कारोबार में प्रयोग किए जाने वाले पाइप, पात्र तथा परिसरों के सम्बंध में घोषणा करनी होगी। इसके साथ ही साथ इन पात्रों, पाइप व स्थान का सुभिन्नक चिन्ह व इनके प्रयोग का प्रयोजन तथा कारखानों की उत्पादन क्षमता भी निर्वीक्षित करनी होगी।

सारणी

(1) 6 से लेकर 11वीं (सी) टैरिफ मद के अन्तर्गत आने वाले खीनज, ईंधन, सस्नेहक तथा उनसे सम्बंधित अन्य सामग्रियां।

(2) 12वीं से लेकर 13वीं टैरिफ मद के अन्तर्गत आने वाले बनस्पति तेल तथा अन्य चिकनाई वाले पदार्थ।

(3) 14 से लेकर 15वीं टैरिफ मद के अन्तर्गत आने वाले रसायन ।

(4) 16 से 28 तक के टैरिफ मद के अन्तर्गत आने वाली सामग्रियों के आधार पर वर्गीकृत अभिनिर्मित उत्पाद ।

(5) 1 से लेकर 1(ई) मद के अन्तर्गत आने वाले खाद्य पदार्थ ।

2. उपरोक्त प्रकरणा (1) में बताए गए उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं के अभिनिर्माताओं से भी, जिनके पास पहले से ही लाइसेंस हैं, डी-2 प्रारूप में उक्त घोषणा 31-12-73 से पहले सम्बंधित सहायक समाहर्ता (लाइसेंसिंग प्राधिकारी) के सामने प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है ।

3. ऐसे अभिनिर्माताओं का, जिनसे अब नियम 44 के अन्तर्गत डी-2 प्रपत्र में घोषणा प्रस्तुत करने की अपेक्षा की जाती है, इस सम्बंध में 45 व 46वें नियम की अपेक्षाओं का भी अनुपालन करना चाहिए ।

4. उपरोक्त सारणी में उपबर्णित उत्पाद शुल्क योग्य वस्तुओं का अभिनिर्माण करने वाले ऐसे अभिनिर्माताओं से भी, जिनसे 50 रु. से कम अनुज्ञापित शुल्क अदा करने की मांग की गई है, आवश्यकता पड़ने पर, डी 2 प्रपत्र में इसी प्रकार की घोषणा, उभर बताई गई रीति में, एतद्वारा दाखिल करने की अपेक्षा की जाती है ।

[अधि सूचना सी. सं. 4/16/297/73 के. उत्पा.-3]

सी. चिदम्बरम, समाहर्ता,

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE

Madras, 15th October, 1973

CENTRAL EXCISES

S.O. 3468.—In exercise of the powers vested in me under rule 44 of the Central Excise Rules, 1944, I hereby require that every manufacturer of the excisable goods mentioned in the table hereto appended, who is required to pay a licence fee of Rs. 50/- or above, shall, while filing an application in Form A.L. 4 for a licence to manufacture such excisable goods, also file a declaration in form D. 2 duly signed declaring therein all premises, pipes, and vessels intended to be used by him for his business, specifying clearly the purpose for which each room, place, pipe and vessel is to be used, and the mark by which it is to be distinguished, and stating the quantity of goods which his factory is capable of producing.

TABLE

- (1) Minerals, fuels, lubricants and related materials falling under Tariff items 6 to 11(c).
- (2) Vegetable oils and fats falling under Tariff items 12 to 13.
- (3) Chemicals falling under Tariff items 14 to 15B.
- (4) Manufactured goods classified chiefly by materials falling under Tariff items 16 to 28.
- (5) Foods falling under Tariff items 1 to 1(E).

2. The manufacturers of the excisable goods enumerated in paragraph (1) above, who have already taken out licences, are also hereby required to file such declaration in form D2, before the Assistant Collector of Central Excise (Licensing Authority) concerned, before 31-12-1973.

3. Manufacturers who are required now to furnish declarations under rule 44 in form D. 2 should also comply with the requirements of rules 45 and 46 in this regard.

4. In the case of such manufacturers manufacturing any excisable commodities mentioned in the table given above,

who are required to pay a licence fee of less than Rs. 50/- they may also be required by me to file similar declarations in form D. 2, in similar manner, if and when considered necessary.

[Notification C. No. IV/16/297/73-CX. III]

C. CHIDAMBARAM, Collector.

वाणिज्य मंत्रालय

संयुक्त-मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्वाह का कार्यालय

सी. एल. ए.

नई दिल्ली, 29 जनवरी, 1973

आदेश

का. आ. 3469.—सर्वश्री दि. खरकवाली को-ऑपरेटिव एग्रीकल्चरल सर्विस सोसायटी लि., गांव खड़कवाली, हाकधर घरोहा, जिला कर्नाल को इराक से खजूरों के आयात के लिए 12,500 रु. मूल्य के लिए एक लाइसेंस सं. पी/ई/0218092 दिनांक 13-10-72 प्रदान किया गया था । उन्होंने लाइसेंस की सीमाशुल्क निकासी प्रती और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रती की अनुमतिपत्र जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रतियां सीमाशुल्क प्राधिकारी से पंजीकृत कराये बिना और बिल्कुल उपयोग किए बिना अस्थानस्थ हो गई हैं ।

2. अपने तर्कों के समर्थन में आवेदक ने आयात व्यापार नियंत्रण नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक, 1972-73 के पैरा 318(1) में यथा अपेक्षित स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है । मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमाशुल्क निकासी प्रती और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रती अथानस्थ हो गई हैं ।

3. अद्यतन यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-55 की धारा 9(सी) में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए मैं 12,500 रु. मूल्य के लाइसेंस सं. पी/ई/0218092 दिनांक 13-10-1972 की सीमाशुल्क निकासी प्रती और मुद्रा विनिमय नियंत्रण प्रती को रद्द करने का आदेश देता हूँ ।

4. अब आवेदक के मामले पर लाइसेंस की अनुमतिपत्र जारी करने के लिए आयात व्यापार नियंत्रण, नियम तथा क्रियाविधि हैंडबुक 1972-73 के पैरा 318(1) के अनुसार विचार किया जाएगा ।

[फा. सं. 21(बी)-4/927/ईराक/एस एम 73/पी एन 95/72/इन्वें-स्वा/सी एल ए]

के. आर. धीर, उप-मुख्य नियंत्रक

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

C.L.A.

New Delhi, the 29th January, 1973

CANCELLATION ORDER

S.O. 3469.—M/s. The Kharakwali Co-Operative Agricultural Service Society Ltd. Vill. Kharakwali, P.O. Gharunda, District Karnal were granted licence No. P/E/0218092 dated 13-10-1972 for Rs. 12,500/- for the import of Dates from Iraq. They have applied for issue of duplicate Customs and Exchange Purpose copies of the licence on the ground that the original Custom and Exchange Control Purpose copies have been misplaced without having been registered at Customs Authority and un-utilized at all.

2. The applicant has filed an affidavit on stamped paper in support of their contention as required under para 318(1) ITC Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73. I am satisfied that the original Customs Purpose copies and Exchange Purpose copy have been misplaced.

3. In exercise of the powers conferred on me under clause 9(c) Import (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended upto date, I order the cancellation of the Customs & Exchange Control copies of the licence No. P/E/0218092 dated 13-10-1972 for Rs. 12,500/.

4. The applicants case will now be considered for the issue of duplicate licence in accordance with para 318(1) of ITC Hand Book of Rules & Procedure, 1972-73.
[File No. 21(b)-IV/927/Iraq/SM-73/PN-95/72/Indo-Swa/CLA].

K. R. DHEER, Dy. Chief Controller.

वाणिज्य मंत्रालय

(मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात का कार्यालय)

आदेश

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3470.—सर्वश्री वल्लभदास पी. चन्द्रन का मर्सि-बैन्ज सैलूनकार के आयात के लिए 20,000 रुपये का एक सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3040310 दिनांक 1-6-72 स्वीकृत किया गया था। अब उन्होंने अनुरोधित सीमा-शुल्क निकासी परमिट के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सां गया है। आगे यह बताया गया है कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट किसी भी सीमा-शुल्क कार्यालय में पंजीकृत नहीं करवाया गया था। और उसका उपयोग नहीं किया गया था।

इस तर्क के समर्थन में श्रीमती जमनाबन वी. चन्द्रन धर्मपत्नी स्वर्गीय श्री वी. पी. चन्द्रन ने एक शपथ दाखिल किया है। उन्होंने यह वचन दिया है कि यदि बाद में सीमा-शुल्क निकासी परमिट मिल गया तो वे उसे कार्यालय के रिकार्ड के लिए वापिस लाँटा देंगे। मैं संतुष्ट हूँ कि मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट सं. पी/जे/3040310 दिनांक 1-6-72 खो गया है और निदेश देता हूँ कि उन्हें अनुरोधित सीमा-शुल्क निकासी परमिट जारी किया

जाना चाहिए। मूल सीमा-शुल्क निकासी परमिट को रद्द किया गया समझा जाए।

[संख्या 2(आर-8)/72-73/बी. एल. एस./3492]

के. जी. नारायणसिंघानी, उप-मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports and Exports)

ORDER

New Delhi, the 1st December, 1973

S.O. 3470.—Mr. Vallabhdas P. Chandarana was granted custom Clearance Permit No. P/J/3040310 dated 1-6-1972 for Rs. 20,000/- for import of a Mercedes Benz Saloon car has applied for a duplicate copy of the custom clearance permit as the original Customs Clearance Permit has been lost. It is further stated that the original Custom Clearance Permit was not registered with any Custom House and not utilised.

In support of this contention Mrs. Jamnaban V. Chandarana w/o late Sh. V. P. Chandarana has filed an affidavit. He has undertaken to return the Custom Clearance Permit if traced later to this office for record. I am satisfied that the original custom clearance Permit No. P/J/3040310 dated 1-6-1972 has been lost and direct that a duplicate Custom Clearance permit should be issued to him. The original custom Clearance Permit may be treated as cancelled.

[File No. 2(R-8)/72-73/BLS/3492]

K. G. NARAINSINGHANI, Dy. Chief Controller.

औद्योगिक विकास, विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी मंत्रालय

(भारतीय मानक संस्था)

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का० आ० 3471.—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि 36 लाइसेंस जिनके व्योरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुद्रण लगाने के अधिकार देते हुए अगस्त 1972 माह में म्वीकृत किए गए हैं :—

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी एम/एल-)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु / प्रक्रिया और तत्सम्बन्धी IS : पद नाम
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	सी एम / एल-3113	1-8-1972	31-7-1973	सदन स्टील लि०, मोलाग्रली हैदराबाद-40 (आन्ध्र प्रदेश)	केबलों पर कवच चढ़ाने वाले बिना जस्ता चढ़े मुदु इस्पात के टैप- IS:3975-1967
2.	सी एम / एल-3114	1-8-1972	31-7-1973	विनाइल जनरल इंडस्ट्रीज, ए-14, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गिडी मद्रास-32	पूर्ण ऐलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर प्रबलित ऐलु-मिनियम चालक-IS:398-1961
3.	सी एम/ एल-3115	1-8-1972	31-7-1973	जिंदल इंडस्ट्रीज प्रा० लि० दिल्ली रोड, हिसार	मुदु इस्पात की नलियां-IS:1239 (भाग 1)-1968
4.	सी एम/ एल-3116	1-8-1972	31-7-1973	रामकृष्ण प्रसाद पेस्टोसाइड्स, कोप्पु-रवुह, निकट नामम्बूर रेलवे स्टेशन (गुदूर जिला) (कार्यालय: 20-9-70 एट्टूर रोड, गुदूर -3(आ.प्र.)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव-IS: 1310-1958
5.	सी एम/ एल-3117	3-8-1972	31-7-1973	महावीर मेटल वर्क्स प्रा० लि०, 15/2, मथुरा रोड, फरीदाबाद (हरयाणा) (कार्यालय: 477-बर्तन मार्केट सदर बाजार, दिल्ली)	पिटिंग ऐलुमिनियम के बर्तन, ग्रेड एस आई सी और एस आई सी एनोडीकृत-IS: 21-1959

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
6. सी एम / एल-3118	9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	स्टील सेल्स (इडिया) प्रा० लि०, 131, इडिस्ट्रियल एरिया, चडीगढ़-2	दरबानो और बिड़िया के लिए बेल्जित इस्पात के सेक्शन, एक 7 सी-IS. 1038-1968
7. सी एम / एल-3119	9-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	वेस्ट इडिया स्टील क० लि० कल्लो (केरल) ब्रिजिंग रेलवे	कक्रीट प्रबलन के लिए ठंडी मरोड़ी विकृत इस्पात की मरिया-IS: 1786-1966
8. सी एम / एल-3120	9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	दि टाटा आयरन एण्ड स्टील क० लि०, जमशेदपुर (बिहार)	अल्पदाब गैस सिलिण्डरों के निर्माण के लिए गर्म बेल्जित इस्पात की बहुरे-IS: 6240-1971
9. सी एम / एल-3121	9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	ग्रोमीर टूल्स कारपोरेशन, ए-1, ए-2, इडिस्ट्रियल इस्टेट, परनापुर (मेरठ)	जुलाई वाली ब्रिटिश-बामी के छेद सहित केन्द्रीय गोल छेद वाली साधारण धकतियां, साइज 610 मिमी; 4 मिमी मोटाई वाली-IS: 4366-1972
10. सी एम / एल-3122	10-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	देवीदयाल (सेल्स) प्रा० लि०, गुप्त मिल्स इस्टेट, रिण रोड, बम्बई-10	एन्ड्रुन पायसनीय तेज द्रव-IS: 1310-1958
11. सी एम / एल-3123	10-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	वेस्टर्न इडिया इलेक्ट्रिकल कारपोरेशन 23-अमारी रोड, बगियांज, बिल्ली	भंडारण तथा स्वचल बिजली के पानी के हीटर केवल 25 सीटर समायोजित-IS: 2082-1965
12. सी एम / एल-3124	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	कृषि केमिन प्राइवेट, सरखी, जयनगर (ब्रिजिंग) बंगलोर-11	एन्ड्रुन पायसनीय तेज द्रव-IS: 1310-1958
13. सी एम / एल-3125	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	रिवरसाइड इंसेक्टीसाईड्स एण्ड फर्टिलाइजर, अम्बरनाथ इड - स्ट्रियल इस्टेट, टेक्नीशियन्स स्कीम, शेड सं० 8, अम्बरनाथ (पश्चिम) जिला बामा	एन्ड्रुन पायसनीय तेज द्रव-IS: 1310-1958
14. सी एम / एल-3126	21-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	वि स्टीण्डर्ड इलेक्ट्रिक एप्लायन्सेस, 458, विकटोरिया एक्सट्रीम रोड, तुलीकोरिन-2 (तामिलनाडु)	भंडारण तथा बिजली के स्वचल पानी के हीटर, केवल 25 सीटर समायोजित-IS: 2082-1965
15. सी एम / एल-3127	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	रयाट्स ऐग्रीकल्चरल प्राइवेट्स कोम-परेटिव मार्केटिंग सोसायटी लि०, बंगलोर-मैसूर रोड, (58 वां और 59 वां मील के बीच) मांड्या (मैसूर राज्य)	पशुओं के लिए मिश्रित आहार-IS: 2052-1968
16. सी एम/एल-3128	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	कृषिकेमिन प्राइवेट्स, सरखी, जयनगर (ब्रिजिंग) बंगलोर-11	मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव-IS: 2567-1963
17. सी एम/एल-3129	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	रवि इंजीनियरिंग वर्क्स, प्रताप इस्टेट, छेहरा. जिला धमतसर	संरचना इस्पात (मानक किस्म)--- (1) 14 मिमी व्यास तक साइज के (ख) ग्रुप 1 के अंतर्गत 28 मिमी व्यास और इससे ऊपर की साइज (2) ग्रुप 11 के अंतर्गत 14 मिमी से ऊपर और 28 मिमी से कम के व्यास वाली साइज--- IS: 226-1969
18. सी एम/एल-3130	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	" "	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) (1) (क) 14 मिमी व्यास तक साइज के (ख) ग्रुप 1 के अंतर्गत 28 मिमी व्यास और इससे ऊपर की साइज (2) ग्रुप 11 के अंतर्गत 14 मिमी से ऊपर और 28 मिमी से कम के व्यास वाली साइज--- IS: 1977-1969

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
19 सीएम/एल-3131	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	भारत धायरन वर्क्स, पूना-बंगलोर रोड, बेलगाँव (मसूर राज्य)	जलकच कार्यों के लिए तृहरी पल्लेज वाले स्लूम बाल्व, शेणी 2, 80 मिमी तक साइज बाल - IS:780-1969
20. सीएम/एल-3132	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	हेम्प्री फूड प्राइवेट्स, ए/3/1, इंडस्ट्रियल एरिया, माजारा, हैदराबाद-39	बिस्कुट IS:1011-1968
21. सीएम/एल-3133	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	शिव दुर्गा धायरन वर्क्स (प्रा०) लि०, 156/1 मधुसूदन पाल चौधरी लेन, हावड़ा (प० बंगाल)	भूमिगत अभिशामक हाइड्रेंट- IS 909-1965
22 सीएम/एल-3134	21-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	डीजल इंजीनियर्स, 137, बालटेक्स रोड, मद्रास-1	निम्न रेटिंग वाले उर्ध्व प्रकार के डीजल इंजन— किन्ना चक्कर प्रति मिनट टाइम 3.7 1500 केबी-1 (5 हा पा) IS:1601-1960
23. सीएम/एल-3135	21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	केहर सजिकले एण्ड एलाइड प्राइवेट्स प्रा० लि०, सी 34, पनकी इंडस्ट्रियल इस्टेट, कानपुर	सर्जरी स्फाटेल के पृथक्तीय पल- IS:3319-1965
24. सीएम/एल-3136	23-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	मधाराम एण्ड संस, टुम्कुर रोड, बंगलोर-22	बिस्कुट- IS:1011-1968
25. सीएम/एल-3137	23-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	कैमिकल्स (इंडिया) 265- राय बहादुर रोड, कलकत्ता-53 (कार्यालय: 20 ए-कैमकस्ट्रीट) कलकत्ता-16	विद्युत लेपन के लिए निकेललक्षण (1) निकेल सल्फेट ग्रेड 2 (2) निकेल क्लोराइड ग्रेड 2 IS:1809-1968
26. सीएम/एल-3138	24-8-1972	1-9-1972	19-8-1973	कृष्णा स्टील इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, एटाप हिल, बङ्गाला, बम्बई-31 (कार्यालय: वासवानी मैदान) 20-दीनशावाजा रोड, बम्बई-20	मेटलग्राफ वेल्डिंग इलेक्ट्रोड के कोर के लिए मृदुस्पात के तार, तार की छड़े 5 से 14 मिमी व्यास वाली- IS:2879-1967
27 सीएम/एल-3139	24-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	ड० ए० जी० मिनरल्स मप्लार्ड क०, बी/1, हाइड रोड, खिदिरपुर, कलकत्ता-43 (कार्यालय: पी-22 स्वालोलेम कलकत्ता-1)	बी एल सी धूधन पाउडर IS:561-1972
28. सीएम/एल-3140	25-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	दि रिलायन्स जूट एण्ड इंडस्ट्रीज लि०, रेलवे स्टेशन कंकीनारा (पूर्व रेलवे) हाकथर भटपाड़ा-24 परगना (कार्यालय: 9-ईबोनरोड, कलकत्ता-1)	डी-ट्रिब्यूट पटसन बोरे- IS 2566-1965
29. सीएम/एल-3141	25-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	हिन्द मेटर ट्रेडिंग क०, 37, देवेन्द्र-बन्द रोड, कलकत्ता-15	जनस्पति कमाण अमड़े से बनी पम्प बास्टियां— IS:1015-1956
30. सीएम/एल-3142	29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	वीनस डिस्टिलरीज, 6वां क्रॉस मगाही रोड, बंगलोर-23	बाँडियां— IS.4450-1967
31. सीएम/एल-3143	29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	—वही—	हिचरिकाया — IS:4449-1967
32. सीएम/एल-3144	29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	वीनस डिस्टिलरीज, 6वां क्रॉस रोड, मगाही रोड, बंगलोर-23	रस — IS:3811-1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
33	सी एम/एल-3145 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	मोहता एण्ड हेक्को लि०, शीलफाटा, झोपोली, जिला कीलाबा (महाराष्ट्र) (कार्यालय मुस्तफाबिल्डिंग, सर फिरोजशाह मेहता रोड, फोर्ट, बम्बई-1)	इस्पात की कोर वाले एल्युमीनियम बालकों के लिए इस्पात के तार — IS:398-1961
34	सी एम/एल-3146 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	गुजरात सेटले बॉक्स कं०, कल्याण मिल के पीछे, मधुसूदन टेक्सटाइल मिल के सामने, नरोदा क्रॉस रोड, नरोदा ग्रहमवाबाद	18-लीटर समारि वाले वर्गाकार टिन— IS:916-1966
35	सी एम/एल-3147 30-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	बी० सी० प्रायरन फाउंड्री, सुल्तानगंज, प्रागरा-4 (उ० प्र०)	मल विकास कार्यों में उपयोग के लिए मध्यम द्यूटी वाले केबल 500 मिमी, 560 मिमी साइज के डलबा लोहे के सेनहोल के बक्कन और फ्रेम— IS:1726-1967
36	सी एम/एल-3148 30-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	बिहार स्टेट स्माल इंडस्ट्रियल कारपोरेशन लि०, इंडस्ट्रियल इस्टेट, रांची (कार्यालय एस० पी० वर्मा रोड, पटना)	बनिको के लिए चमड़े के बनाव बूट और जूते — IS 1989-1967

[मं सी एम बी/13/11]

SCIENCE & TECHNOLOGY

(INDIAN STANDARDS INSTITUTION)

New Delhi, 21 November, 1973

S.O. 2471.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that thirtysix licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of August 1972 authorizing the licensees to use the standard Marks:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	to	Name and address of the Licensee	Article/Process Covered by the Licences and the Relevant IS: Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	CM/L-3113 1-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Southern Steel Limited, Moula-Ali, Hyderabad 40 (Andhra Pradesh)	Ungalvanized mild steel tapes for armouring cables— IS : 3975-1967
2.	CM/L-3114 1-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Vinyl General Industries, A 14, Industrial Estate, Guindy, Madras 32	All aluminium conductors and ACSR conductors— IS : 398-1961
3.	CM/L-3115 1-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Jindal Industries Pvt. Ltd., Delhi Road, Hissar	Mild Steel tubes— IS : 1239(Part I) -1968
4.	CM/L-3116 1-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Ramakrishna Prasad Pesticides, Koppuravuru, Near Nambur R.S. (Guntur Distt) (Office : 20-9-70, Etukur Road, Guntur-3 (AP))	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958
5.	CM/L-3117 3-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Mahavir Metal Works Pvt. Ltd, 15/2 Mathura Road, Faridabad (Haryana) (Office : 477 Bartan Market, Sadar Bazar, Delhi)	Wrought aluminium utensils Grade SIC and SIC Anodized IS : 21-1959
6.	CM/L-3118 9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Steel Sales (India) Pvt. Ltd., 131, Industrial Area, Chandigarh-2	Rolled steel section, F7B for doors windows— IS : 1038-1968
7.	CM/L-3119 9-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	West India Steel Co. Ltd., Kallai (Kerala) S. Railway	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)					
8. CM/L-3120 9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	The Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jamshedpur (Bihar)	Hot rolled steel sheets for the manufacture of low pressure gas cylinders IS : 6240-1971						
9. CM/L-3121 9-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Gromore Tools Corporation, A-1, A-2 Industrial Estate, Partapur (Meerut)	Agricultural tillage disc type-plain disc with central circular hole with key-way, size 610 mm of 4 mm thickness— IS : 4366-1972						
10. CM/L-3122 10-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Gupta Mills Estate, Reay Road, Bombay-10	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958						
11. CM/L-3123 10-8-1972	1-8-1972	31-7-1973	Western India Electrical Corpn., 23 Ansari Road, Darya Ganj, Delhi	Storage type automatic electric water heaters, 25 litres capacity only— IS : 2082-1965						
12. CM/L-3124 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Krishichemin Products, Sarakhi, Jayanagar, (South), Bangalore-11	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958						
13. CM/L-3125 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Riverside Insecticides & Fertilizers, Ambarnath Industrial Estate, Technicians Scheme, Shed No. 8, Ambarnath (West), Distt. Thana	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310-1958						
14. CM/L-3126 21-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	The Standard Electric Appliances, 458, Victoria Extension Road, Tuticorin-2 (Tamil Nadu)	Storage type automatic electric water heaters, 25 litres capacity— IS:2082-1965						
15. CM/L-3127 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Ryots Agricultural Products Co-operative Marketing Society Ltd., Bangalore Mysore Road, (Between 58th & 59th Mile), Mandya (Mysore State)	Compounded feeds for cattle— IS - 2052-1968						
16. CM/L-3128 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Krishichemin Products, Sarakki, Jayanagar (South), Bangalore-11	Malathion emulsifiable concentrates— IS:2567-1963						
17. CM/L-3129 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Ravi Engineering Works, Partap Estate, Chheharta, Distt. Amritsar.	Structural steel (standard quality) (i) (a) Sizes up to 14 mm dia. (b) Sizes 28 mm dia and above under group I (ii) Sizes more than 14 mm dia and less than 28 mm dia under group II— IS : 226-1969						
18. CM/L-3130 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	-do-	Structural steel (ordinary quality) (i) (a) Sizes up to 14 mm dia (b) Sizes 28 mm dia and above under group I (ii) Sizes more than 14 mm dia and less than 28 mm dia under group II— IS : 1977-1969						
19. CM/L-3131 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Bharat Iron Works, Poona-Bangalore Road, Belgaum (Mysore State)	Sluice valves for water works purposes, double flanged, Class 2, of sizes up to and including 80 mm— IS : 780-1969						
20. CM/L-3132 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Ampro Food Products, A 3/1, Industrial Area, Nacharam, Hyderabad-39	Biscuits— IS : 1011-1969						
21. CM/L-3133 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Shiva Durga Iron Works (P) Ltd., 156/1, Madhusudan Pal Chowdhury Lane, Howrah (W. Bengal)	Underground fire hydrant, sluice-valve type— IS : 909-1965						
22. CM/L-3134 21-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Diesel Engineers, 137, Walltex Road, Madras-1	Vertical diesel engine of the following ratings: <table><tr><th>kW</th><th>R.P.M.</th><th>Type</th></tr><tr><td>3.7 (5HP)</td><td>1500</td><td>KD-1</td></tr></table> IS : 1601-1960	kW	R.P.M.	Type	3.7 (5HP)	1500	KD-1
kW	R.P.M.	Type								
3.7 (5HP)	1500	KD-1								
23. CM/L-3135 21-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	Kehr Surgical & Allied Products Pvt. Ltd., C 34, Panki Industrial Estate, Kanpur	Detachable blades for surgical scalpels IS : 3319-1965						
24. CM/L-3136 23-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Mangharam & Sons, Tumkur Road, Bangalore-22	Biscuits— IS : 1011-1968						
25. CM/L-3137 23-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Chemicals (India), 265, Rai Bahadur Road, Calcutta-53 (Office : 20 A, Camac Street, Calcutta-16)	Nickel salts for electroplating (i) Nickel sulphate Grade II (ii) Nickel chloride Grade II— IS : 1809-1968						
26. CM/L-3138 24-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Krishna Steel Industries Pvt. Ltd., Antop Hills, Wadala, Bombay-31 (Office: Vaswani Mansions, 120 Dinshaw Vachha Road, Bombay-20)	Mild steel for metal arc welding electrode core wire, wire rods 5 to 14 mm dia— IS : 2879-1967						

1	2	3	4	5	6
27. CM/L-3139 24-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	E.A.G. Minerals Supply Co, B/I, Hide Road, Kidderpore, Calcutta-43 (Office : P-22, Swallow Lane, Calcutta 1)	BHC dusting powders— IS : 561-1962	
28. CM/L-3140 25-8-1972	16-8-1972	15-8-1973	The Reliance Jute & Industries Ltd, Railway Station Kankinara (E. Rly), P.O. Bhatpara, 24 Parganas (W. Bengal) (Office : 9 Brabourne Road, Calcutta 1)	B-twill jute bags— IS : 2566-1965	
29. CM/L-3141 25-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Hind Leather Trading Co, 37-Debendra Chandra Dey Road, Calcutta-15	Leather pump buckets made from vegetable tanned leather— IS : 1015-1956	
30. CM/L-3142 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Venus Distilleries, 6th Cross, Magadi Road, Bangalore-23	Brandies— IS - 4450-1967	
31. CM/L-3143 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	-do-	Whiskies— IS : 4449-1967	
32. CM/L-3144 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	-do-	Run— IS : 3811-1966	
33. CM/L-3145 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Mohatta & Heckel Ltd, Sheelphata, Khopoli, Distt. Kolaba (Maharashtra) (Office : Mustafa Bldg, Sir. P.M. Road, Fort, Bombay-1)	Steel wire for the core of steel-cored aluminium conductors— IS : 398-1961	
34. CM/L-3146 29-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Gujarat Metal Box Co. Behind Kalyan Mills, Opp. Madhusudan Textile Mills, Naroda Cross Road, Naroda, Ahmedabad-2	18-Litres square tins— IS : 916-1966	
35. CM/L-3147 30-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	B.C. Iron Foundry, Sultanganj, Agra-4 (UP)	Cast iron manhole covers and frames intended for the use in drainage works, medium duty, 500 mm and 560 mm only— IS : 1726-1967	
36. CM/L-3148 30-8-1972	1-9-1972	31-8-1973	Bihar State Small Industrial Corporation Ltd., Industrial Estate, Konar, Ranchi (Office : S.P. Verma Road, Patna)	Miners' safety leather boots and shoes— IS : 1989-1967	

[No. CMD/13 : 11]

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 3472—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभाग) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीसों नीचे अनुसूची में दिए गए व्योरे के अनुसार निर्धारित की गई है। ये फीसों उनके प्राये दिखाई गई तिथियों से लागू हो जाएंगी :

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद का वर्ग	सम्बद्ध भारतीय मानक की पद संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	लागू होने की तिथि
1.	रिंग और गति फ्रेमों के ऊपरी रोलर	IS : 3176-1971 रिंग और गति फ्रेमों के लिए घर्षण प्रतिरोधी बेयरिंग वाले ऊपरी रोलर की विशिष्टि	प्रति 100 इकाइयां	50 पैसे	16 अगस्त 1973
2.	अमोनिया परिरक्षित प्राकृतिक रबर का गाढ़ा लैटेक्स	IS : 5430-1969 अमोनिया परिरक्षित प्राकृतिक रबर के गाढ़े लैटेक्स की विशिष्टि	प्रति मीटर टन	रु० 5.00	1 अक्टूबर, 1973

सं० सी एम डी/13:10

New Delhi, the 30th November, 1973

S. O. 3472.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955 the Indian Standards, Institution hereby notifies that the marking fee(s) per unit for various products, details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit	Date of Effect
1	2	3	4	5	6
1.	Top rollers for ring and speed frames	IS:3176-1971 Specification for antifriction bearing type top rollers for ring and speed frames.	100 pieces	50 Paise	16 August 1973
2.	Ammonia preserved concentrated natural rubber latex	IS:5430-1969 Specification for ammonia preserved concentrated natural rubber latex.	One Tonne	Rs. 5.00	1 October 1973

[No CMD/13: 10]

क्र० प्रा० 3473—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार और ऐसे मानकों की एक सीरीज के प्रकाशन के फलस्वरूप जिसमें विभिन्न प्रकार के मिलिंग कटरों की माप सम्बन्धी अपेक्षाएँ पृथक् भारतीय मानकों के अधीन रखी गई है यह अधिसूचित किया जाता है कि IS. 1831-1961 मिलिंग कटरों के मापों की विशिष्टि 1 दिसम्बर 1973 से रद्द कर दी गई है। इस भारतीय मानक के ब्यौरे भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3—उपखण्ड 2—दिनांक 30 दिसम्बर 1961 में अधिसूचना सं० एस ओ 3062 दिनांक 19 दिसम्बर 1961 के अन्तर्गत प्रकाशित हुए थे।

[सं० सी एम डी/13:7]

S. O. 3473—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certificated Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, and consequent upon publication of a series of standards, each covering dimensional requirements for various types of milling cutters under separate IS: numbers, it is hereby notified that IS:1831-1961, Specification for dimensions for milling cutters, details of which were published under notification number S.O. 3062 dated 19 December 1961 in the Gazette of India, Part II, Section 3-Sub-section (ii) dated 30 december 1961, has been cancelled with effect from 1 December 1973.

[No. CM/D13:7]

क्र० प्रा० 3474—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि IS: 722 (भाग 2/ खण्ड 1)—1962 ऐसी बिजली के मीटरों की विशिष्टि भाग II एक फेजी 2-तार पूर्ण धारा वाट-घंटा मीटर, श्रेणी 2.0 खण्ड 1 अधिकतम अविच्छिन्न धारा रेटिंग वाले मीटर, रद्द कर दिया गया है। इस भारतीय मानक के ब्यौरे भारत के राजपत्र भाग II खण्ड 3—उपखण्ड 2—दिनांक 30 जून 1962 में अधिसूचना संख्या एस ओ 1998 दिनांक 21 जून 1962 के अन्तर्गत प्रकाशित हुए थे।

[सं० सी एम डी/13:7]


S.O. 3474—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, it is hereby notified that IS:722(Part II/Sec. 1)-1962 Specification for ac electricity meters Part II: Single-phase 2-wire whole current watt-hour meters, class 2.0 section 1 meters with maximum continuous current ratings, details of which were published under notification number S.O. 1998 dated 21 June 1962 in the Gazette of India, Part II, Section 3, sub-section (ii) dated 30 June, 1962 has been cancelled.




[No CMD/13 7]

क्र० प्रा० 3475—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन मानक चिह्नों की डिजाइन और शाब्दिक विवरण तत्सम्बन्धी भारतीय मानक के शीर्षको सहित नीचे अनुसूची में दिये गये हैं वे भारतीय मानक संस्था द्वारा निर्धारित किये गये हैं।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित्त ये मानक चिह्न उनके भागे दिखाई तिथियों से लागू हो जायेंगे :—

अनुसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	मानक चिह्न का शाब्दिक विवरण	लागू होने की तिथि
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.		रिंग और गति क्रमों के ऊपरी रोलर	IS: 3176-1971 रिंग और गति क्रमों के लिये धर्पण प्रति-रोधी बेयरिंग वाले ऊपरी रोलर की विशिष्टि।	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं तत्सम्बन्धी (2) में दिखाई गयी और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है।	16 अगस्त 1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2.	  	अमोनिया परिरक्षित प्राकृतिक रबर की गाड़ों के लेटेक्स।	IS: 5430-1969 अमोनिया परिरक्षित प्राकृतिक रबर के गाड़ों के लेटेक्स की विशिष्ट।	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है। जैसा विज्ञापन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंख्या दी गई है और नीचे की ओर तत्सम्बन्धी ग्रेड पदनाम अर्थात् 'एच०ए०' या 'एम०ए०' अथवा 'एल०ए०' दिये गये हैं।	1 अक्टूबर 1973





[सं० सी० एम०डी/13:9]

डी०वास गुप्ता, उपमहानिदेशक

S.O. 3475.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institutions (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standard Institution hereby notifies that the Standard Mark (s), design (s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Mark(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
1.		Top rollers for ring and speed frames	IS : 3176-1971 Specification for antifriction bearing type top rollers for ring and speed frames.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16 August 1973
2.	  	Ammonia preserved concentrated natural rubber latex	IS : 4530-1969 Specification for ammonia preserved concentrated natural rubber latex.	The monogram of the Indian Standard Institution, consisting of letters 'ISI' drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2), the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram and the relevant grade designation namely, 'HA' or 'MA' or 'LA' being subscribed under the bottom side of the monogram as indicated in the design.	1 October 1973

[NO.CMD/13:9]

D. DAS GUPTA, Deputy Director General

MINISTRY OF STEEL & MINES
(Department of Steel)

New Delhi, the 1st November, 1973

इस्पात और खान मंत्रालय
(इस्पात विभाग)

नई दिल्ली, 1 नवम्बर, 1973

क. आ. 3476.—लोक परिसर (अनाधिकृत अधिभोगियों की बेवखली) अधिनियम, 1971 (1971 का 40) की धारा 17 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केंद्रीय सरकार निर्वेश देती है कि इस अधिनियम के अधीन उसके द्वारा प्रयोक्तव्य शक्तियाँ, बेल्लारी जिले में विजयनगर इस्पात संयंत्र के लिए अर्जित की गई भूमि से अनाधिकृत अधिभोगियों की बेवखली के प्रयोजनों के लिए, कर्नाटक सरकार द्वारा भी प्रयोक्तव्य होगी।

[सं. 44015/1/73-एन. एस. पी.]
असीम चटर्जी, उप-सचिव

S.O. 3476.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Public Premises (Eviction of Unauthorised Occupants) Act, 1971 (40 of 1971), the Central Government hereby directs that the power exercisable by it under this Act shall be exercisable also by the Government of Karnataka for the purposes of existing unauthorised occupants from the lands acquired for the Vijayanagar Steel Plan in Bellary District.

[No. 44015/1/73-NSP]
ASHIM CHATTERJEE, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 24 नवम्बर, 1973

का० धा० 3477.—यतः, कोयला वाले क्षेत्र (अर्जन और विकास) अधिनियम 1957 (1957 का 20) की धारा 4 की उप-धारा (1) के अधीन भारत सरकार की इस्पात और खान मंत्रालय (खान विभाग) की अधिसूचना संख्या का० धा० 459, तारीख 24 दिसम्बर, 1971 द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उस अधिसूचना से उपाखण्ड धमसूची में वर्णित 685.00 एकड़ (लगभग) अथवा 277.21 हेक्टेयर्स (लगभग) परिमाण की भूमि को अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दी थी।

और यतः उक्त भूमि से सम्बद्ध उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) के अधीन कोई भी सूचना नहीं दी गई है।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 7 की उप-धारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार 24 दिसम्बर, 1973 से प्रारम्भ होने वाली एक वर्ष की प्रतिरिक्त अवधि को विनिश्चित करती है, जिस अवधि में केन्द्रीय सरकार उक्त भूमियों को अर्जित करने या ऐसी भूमियों में या उन पर कोई अधि-कार अर्जित करने के अपने आशय की सूचना दे सके।

अनुसूची

बमदरपुर ब्लॉक

तालचौर कोयला क्षेत्र

(उड़ीसा)

डाइंग संख्या रजिस्टर / 44/71

तारीख 8-9-71

(पूर्वोक्षण के लिए अधिसूचित भूमि को दर्शाते करते हुए)

क्रम सं०	ग्राम	थाना	परगना	जिला	क्षेत्र टिप्पणियाँ
1.	बमदरपुर (अलहादनगर)	कोलि-मरी	तालचौर	धनक-नाल	पूर्ण
2.	मधुपुर (अलहादनगर)	"	"	"	"
3.	हेन्सामुल	"	"	"	"
4.	चांदपुर	"	"	"	"
5.	पुरनिया	"	"	"	"
6.	बलवा	"	"	"	"
7.	नखतारपुर	"	"	"	"

कुल क्षेत्र 685.00 एकड़ (लगभग)

अथवा 277.21 हेक्टेयर्स (लगभग)

सीमा वर्णन :

क-ख लाइन ग्राम मधुपुर (अलहादनगर) और रकास ग्रामों की भागतः सामान्य सीमा तथा बमदरपुर (अलहादनगर) और रकास, बमदरपुर (अलहादनगर) और अन्नदाबर्नी ग्रामों की सामान्य सीमा के साथ होकर गुजरती है।

ख-ग लाइन ग्राम बमदरपुर (अलहादनगर) और लक्ष्मनपुर ग्रामों की सामान्य सीमा के साथ होकर गुजरती है।

ग-घ लाइन ग्राम नखतारपुर और लक्ष्मनपुर ग्रामों की भागतः सामान्य settlement which was actually filed on 9-11-73. The contents of this memorandum of settlement have been subsequently verified as correct by Shri H. N. Singh representing the workmen and Shri S. S. Mukherjee, representing the company. I heard both sides on this memo. of settlement,

(अर्थात् दक्षिणी बालंदा के उत्तरी सीमा खण्ड ख और दक्षिणी बालंदा की भागतः सीमा) में होकर गुजरती है।

ब-छ लाइन ग्राम बालंदा, पुरनिया, चांदपुर और हेन्सामुल (अर्थात् तालचौर कोयला क्षेत्र पट्टी सीमा की भागतः, पश्चिमी सीमा के साथ) में होकर गुजरती है।

छ-क लाइन ग्राम हेन्सामुल और मधुपुर (अलहादनगर) में होकर गुजरती है और आरंभ बिन्दु 'क' पर मिलती है।

[फाइल सं० को० 5-25(25)/73]

ए० एम० देशपांडे, अवर सचिव

New Delhi, the 24th November, 1973

S.O. 3477.—Whereas by the notification of the Government of India in the Ministry of Steel and Mines (Department of Mines) No. S.O. 459 dated the 24th December, 1971, under sub-section (1) of section 4 of the Coal Bearing Areas (Acquisition and Development) Act, 1957 (20 of 1957), the Central Government gave notice of its intention to prospect for coal in lands measuring 685.00 acres (approximately) or 277.21 hectares (approximately) in the locality specified in the Schedule appended hereto;

And whereas in respect of the said lands, no notice under sub-section (1) of section 7 of the said Act has been given;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the said sub-section (1) of section 7, the Central Government hereby specifies a further period of one year commencing from the 24th December, 1973, as the period within which the Central Government may give notice of its intention to acquire the said lands or any rights in or over such lands.

SCHEDULE

Damodarpur Block

Talcher Coalfield

(Orissa)

Drg. No. Rev./44/71
Dated 8-9-71

(Showing lands notified for prospecting).

S. No.	Village	Police Station	Sub-Division	District	Area	Remarks
1.	Damodarpur (Alhadnagar)	Colliery	Talcher	Dhenkanal		Full
2.	Madupur (Alhadnagar)	"	"	"		Part
3.	Hensamul	"	"	"		Part
4.	Chandpur	"	"	"		Part
5.	Purnia	"	"	"		Part
6.	Balanda	"	"	"		Part
7.	Nakhatarpur	"	"	"		Part

Total area: 685.00 acres (approximately)
or 277.21 Hectares (approx.)

BOUNDARY DESCRIPTION:

A-B Line passes along the part common boundary of village Madupur (Alhadnagar) and Rakas, along with common boundary of villages Damodarpur (Alhadnagar) and Rakas, Damodarpur (Alhadnagar) and Annataberni.

B-C Line passes along the common boundary of villages Damodarpur (Alhadnagar) and Lachhmanpur.

C-D Line passes along the part common boundary of villages Nakhatarpur and Lachhmanpur.

उक्त सीमा वर्णन, अर्थात् नखतारपुर और लक्ष्मनपुर ग्रामों की सीमा के साथ होकर गुजरती है, उक्त उपधारा द्वारा यथाअपीक्षित उन सभी की प्रस्थापना करती है, उक्त उपधारा द्वारा यथाअपीक्षित उन सभी

- F-G Line passes through villages Baland, Purnia, Chandpur and Hensamul (i.e. along the part Western boundary of Talcher Colliery Lease boundary).
- G-A Line passes through villages Hensamul and Madupur (Alhadnagar) and meets at starting point 'A'.

[File No. C5-25(25)/73]

A.S. DESHPANDE, Under Secy.

स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

का. आ. 3478.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अधिनियम 1956 (1956 का 25) की धारा 4 के खण्ड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. के. खाडिलकर जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया, के स्थान पर डा. कर्ण सिंह को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली का सदस्य मनोनीत करती हैं तथा भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय की दिनांक 13 सितम्बर, 1972 की अधिसूचना संख्या बी. 16011/2(ख)/72-एम. ई. (पी. जी.) में निम्नीलिखित संशोधन करती हैं—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 1 के स्थान पर निम्नीलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, नामतः—

“डा. कर्ण सिंह, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री” ।

[संख्या बी. 16011/4/73 एम. ई. (पी. जी.)]

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING
(Department of Health)

New Delhi, the 29th November, 1973

S.O. 3478.—In pursuance of clause (e) of section 4 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956) the Central Government hereby nominates Dr. Karan Singh as a member of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi, vice Shri R. K. Khadilkar, resigned and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 16011/2(B)/72-ME(PG) dated the 13th September, 1972.

In the said notification for entry I, the following entry shall be substituted, namely :—

“Dr. Karan Singh, Minister of Health and Family Planning”.

[No. V. 16011/4/73-ME(PG)]

का. आ. 3479.—अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, अधिनियम, 1956 (1956 का 25) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. के. खाडिलकर के स्थान पर, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया, डा. कर्ण सिंह को अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली, का अध्यक्ष मनोनीत करती हैं ।

[संख्या बी. 16011/4/73 एम. ई. (पी. जी.)]

S.O. 3479.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the All India Institute of Medical Sciences Act, 1956 (25 of 1956) the Central Government hereby nominates Dr. Karan Singh as the President of the All India Institute of Medical Sciences, New Delhi vice Shri R. K. Khadilkar, resigned.

[No. V. 16011/4/73-ME(PG)]

का. आ. 3480.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान संस्थान चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 5 के खण्ड (ड) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा डा. कर्ण सिंह को श्री आर. के. खाडिलकर के स्थान पर, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ का सदस्य मनोनीत करती हैं और भारत सरकार के स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय के 2 जून 1972 की अधिसूचना संख्या बी.-1701/1/72 एम. ई. (पी. जी.) में निम्नीलिखित संशोधन करती हैं :—

उक्त अधिसूचना में प्रविष्टि 1 के स्थान पर निम्नीलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित कर दी जाए, अर्थात्

“डा. कर्ण सिंह, स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्री” ।

[संख्या बी. 17011/1/73 एम. ई. (पी. जी.)]

S.O. 3480.—In pursuance of clause (e) of Section 5 of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, Act 1966 (51 of 1966) the Central Government hereby nominates Dr. Karan Singh, as a member of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh vice Shri R. K. Khadilkar, resigned, and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Health and Family Planning No. V. 17013/1/72-ME(PG), dated the 2nd June, 1972.

In the said notification for entry I, the following entry shall be substituted, namely :—

(1) “Dr. Karan Singh, Minister of Health and Family Planning”.

[No. V. 17011/1/73-ME(PG)]

का. आ. 3481.—स्नातकोत्तर चिकित्सा शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ अधिनियम, 1966 (1966 का 51) की धारा 7 की उपधारा (1) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री आर. के. खाडिलकर के स्थान पर जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया, डा. कर्ण सिंह को स्नातकोत्तर चिकित्सा-शिक्षा एवं अनुसंधान संस्थान, चण्डीगढ़ का अध्यक्ष मनोनीत करती हैं ।

[संख्या बी. 17011/1/73 एम. ई. (पी. जी.)]

एस. सी. कुमार, उप-सचिव

S.O. 3481.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 7 of the Post-Graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh Act, 1966 (51 of 1966) the Central Government hereby nominates Dr. Karan Singh as the President of the Post-graduate Institute of Medical Education and Research, Chandigarh, vice Shri R. K. Khadilkar, resigned.

[No. V. 17011/1/73-ME(PG)]

S. C. KUMAR, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 29 नवम्बर, 1973

का. आ. 3482.—वतः दन्त चिकित्सा अधिनियम 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (घ) के उपबन्धों का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार ने 29 नवम्बर, 1973 से डा. एन. पिन्टो को रोजेरियो, स्टाफ सर्जन (दन्त), विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली को भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद् का सदस्य मनोनीत कर दिया है ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 3 का अनुसरण करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व स्वास्थ्य

मंत्रालय की 17 अक्टूबर, 1962 की अधिसूचना संख्या 3-2/62 चि. 2 में आगे और निम्नीलिखित संशोधन करती हैं :—

उक्त अधिसूचना में “धारा 3 के खण्ड (च) के अधीन मनोनीत” शीर्षक के अंतर्गत क्रम संख्या 1 पर उल्लिखित प्रविष्टि के स्थान पर निम्नीलिखित प्रविष्टि रख ली जाए ;

‘डा. एन. पिन्टो डो रोजेरीयो,

स्टाफ सर्जन (दन्त)

विलिंगडन अस्पताल, नई दिल्ली” ।

[संख्या की. 12013/3/72-एम. पी. टी.]

New Delhi, the 29th November, 1973

S.O. 3482.—Whereas the Central Government have, in pursuance of the provisions of clause (f) of section 3 of the Dentists Act, 1948 (16 of 1948) nominated Dr. N. Pinto Do Rosario, Staff Surgeon (Dental), Willingdon Hospital, New Delhi, to be a member of the Dental Council of India with effect from the 29th November, 1973.

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. F. 3-2/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (f) of section 3”, for the entry against serial No. 1, the following entry shall be substituted, namely :—

Dr. N. Pinto Do Rosario,
Staff Surgeon (Dental), Willingdon Hospital,
New Delhi.”

[No. V. 12013/3/72-MPT]

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3483.—यतः भारतीय दन्त चिकित्सा अधिनियम, 1948 (1948 का 16) की धारा 3 के खण्ड (छ) के उपबन्धों का अनुसरण करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार ने डा. जी. के. त्यागी के स्थान पर, जिन्होंने त्यागपत्र दे दिया है, डा. डी. एन. शर्मा, स्वास्थ्य-संघ निदेशक, उत्तर प्रदेश लखनऊ को 8 अक्टूबर, 1973 से भारतीय दन्त चिकित्सा परिषद का सदस्य मनोनीत किया है ।

आदेश

नई दिल्ली, 30 अक्टूबर, 1973

का. आ. 3110.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उससे उत्पादक अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इन्शोरेंस कम्पनी से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है ;

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद का न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना वांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एच. आर. राठी होंगे जिनका मुख्यालय चंडीगढ़ होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है ।

अनुसूची

‘यथा यूनिवर्सल फायर एण्ड जनरल इन्शोरेंस कम्पनी के प्रबंधक श्री, श्री के. एल. गुप्ता, लेखापाल, यूनिवर्सल

Now, therefore, in pursuance of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health No. 3-2/62-MII, dated the 17th October, 1962, namely :—

In the said notification, under the heading “Nominated under clause (c) of section 3”, for the entry against serial No. 9, the following entry shall be inserted, namely :—

“Dr. D. N. Sharma,
Director of Health Services,
Uttar Pradesh, Lucknow”

[No. V. 12013/1/72-MPT]

Kum. SATHI BALAKRISHNA, Under Secy.

कृषि मन्त्रालय

कृषि विभाग

नई दिल्ली, 30 जुलाई, 1973

का. आ. 3484.—यतः कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा तथा अपेक्षित ऋतुलोभ श्रेणीकरण और चिह्नन नियम, 1969 में संशोधन करने के लिए नियमों का एक प्रारूप भारत सरकार के कृषि मंत्रालय (कृषि विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 2442, तारीख 0-6-1972 के अंतर्गत भारत के राजपत्र, भाग 2, खंड 3 उपखंड (2), तारीख 9 सितम्बर, 1972 के पृष्ठ 3489 और 3490 पर प्रकाशित किया गया था जिसमें उन सभी व्यक्तियों से जिनका उससे प्रभावित होना संभाव्य था, उक्त अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से एक मास की अवधि की समाप्ति तक आक्षेप और सुझाव मांगे गए थे ।

और यतः वह राजपत्र जनता को 9 सितम्बर, 1972 को उपलब्ध कराया गया था,

और यतः उक्त प्रारूप पर जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा विचार कर लिया गया है,

Labour Contractor Cooperative Society Limited, P. O. Suket, District Kota and their workmen, which was received by the Central Government on the 19th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL,
RAJASTHAN, JAIPUR

Present :

Shri Updesh Naram Mathur.—Presiding Officer.

Case No. CFT-31 of 1972

Ref :—Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment, New Delhi Order No. L-29012/26/71-LR-IV dated 25th October, 1971.

In the Matter of an Industrial Dispute.

BETWEEN

The Management of West Suket Labour Contractor Cooperative Society Limited, P. O. Suket, Distt. Kota.

AND

Then workmen represented by Rashtriya Mazdoor Sangh, Ramganjmandi

Date of Award :

10th October, 1973

L. HMINGLIANA, Dy. Secy.

शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

पूर्व-विन्यास अधिनियम, 1890 के मामले में

और

राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान, नई दिल्ली के मामले में।

का. आ. 3486.—यतः केन्द्रीय सरकार ने पूर्व विन्यास अधिनियम, 1890 (1890 का 6) की धारा 4 और 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1955, तारीख 25 जून, 1962 की अनुसूची ख में यथा उपबर्णित राष्ट्रीय कल्याण प्रतिष्ठान के प्रशासन के लिए एक स्कीम अधिसूचित की थी।

और यतः राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान की महासमिति ने उक्त स्कीम में यथा इसमें इसके पश्चात् अंतर्निहित उपान्तरण करने के लिए आवेदन दिया है,

अतः, अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा-5 की उपधारा (2) और (3) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पूर्वोक्त प्रतिष्ठान की महासमिति के आवेदन पर और उसकी सहमति से, उक्त स्कीम में यथा इसमें इसके पश्चात् अंतर्निहित उपान्तरण करती है, और यह और आदेश देती है कि उपान्तरित स्कीम इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन के दिन से प्रवृत्त होगी।

भारत सरकार के भूतपूर्व शिक्षा मंत्रालय की अधिसूचना सं. का. आ. 1955, तारीख 25 जून, 1962 से संलग्न "राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण" प्रतिष्ठान के प्रशासन के लिए नियम तथा विनियम में पैरा 4 के उप-पैरा (ख) (1) (3) और (ख) (3) के स्थान पर क्रमशः निम्नलिखित रखे जायेंगे, अर्थात्:—

4(ख) (1) (3) "राज्य शिक्षा मंत्री द्वारा 6 व्यक्ति नामनिर्दिष्ट किए जाएंगे जिनमें से कम से कम दो प्रमुख शिक्षाविद् होंगे, और"

4(ख) (2) (3) "मुख्य आयुक्त या उप-राज्यपाल द्वारा 6 व्यक्ति नामनिर्दिष्ट किये जाएंगे जिनमें से कम से कम दो प्रमुख शिक्षाविद् होंगे, और"

[सं.एफ.8-31/71-एन.एस.-4]

त. रा. जयरामन्, सचिव

कोषपाल, राष्ट्रीय शिक्षक कल्याण प्रतिष्ठान

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE

(Education Deptt.)

New Delhi, the 27th November, 1973

In the matter of Charitable Endowments Act, 1890.

AND

In the matter of National Foundation for Teachers' Welfare, New Delhi.

S.O. 3486.—Whereas the Central Government in exercise of the powers conferred on it by sections 4 and 5 of the Charitable Endowments Act, 1890 (6 of 1890), had notified a scheme for the administration of the National Foundation for Teachers' Welfare as set out in Schedule B to the notification of the Government of India in the late Ministry of Education No. S.O. 1955, dated the 25th June, 1962;

And whereas the General Committee of the National Foundation for Teachers' Welfare have made an application for the modification of the said scheme as hereinafter contained;

109 G of I/73—3

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-sections (2) and (3) of section 5 of the said Act, the Central Government, on application, and with the concurrence, of the General Committee of the aforesaid Foundation, hereby modifies the said scheme as hereinafter contained and further orders that the modified scheme shall come into operation on the day of publication of this notification in the Official Gazette.

In "Rules and Regulations for the Administration of National Foundation for Teachers' Welfare" appended to the notification of the Government of India in the late Ministry of Education No. S.O. 1955, dated the 25th June, 1962, for sub-paragraphs (b)(i)(3) and (b)(ii)(3) of paragraph 4, the following shall respectively be substituted, namely:—

4(b)(i)(3) "Six persons to be nominated by the State Education Minister, at least two of whom shall be eminent educationists; and"

4(b)(ii)(3) "Six persons to be nominated by the Chief Commissioner or Lieutenant-Governor, at least two of whom shall be eminent educationists; and"

[F. 8-31/71-N.S. 4]

T. R. JAYARAMAN, Secy.-Treasurer.
National Foundation for Teachers' Welfare.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3487.—स्थायी आदेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किये गये भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 434 के खण्ड 3 के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने मदंगंज टेलिफोन केन्द्र में दिनांक 1-1-74 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निश्चय किया है।

[सं. 5-35/73-पी.एच.बी.]

पी. सी. गुप्ता, सहायक महानिदेशक (पी.एच.बी.)

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P. & T. Board)

New Delhi, the 3rd December, 1973

S.O. 3487.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-1-1974 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in MADANGANJ Telephone Exchange, Rajasthan Circle.

[No. 5-35/73-PHB].

P. C. GUPTA, Asstt. Director General (PHB).

सिंचाई और विद्युत् मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 अक्टूबर, 1973

का. आ. 3488.—केन्द्रीय सरकार पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 (1966 का 31) के खण्ड 79 के उप-खण्ड (2) की धारा (क) में विहित अधिकारों का पालन करते हुए श्री बी. के. उप्पल, अतिरिक्त मुख्य अभियंता (परियोजनाएं), हरियाणा सरकार को श्री. के. आर. मेंहदीरता के स्थान पर भाखड़ा प्रबन्धक बोर्ड के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में 10 सितम्बर, 1973 के अपराह्न से नियुक्त करते हैं।

[सं. 6/3/73-प्रशासन-पांच]

जे. के. साहा, अवर सचिव

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

New Delhi, the 16th October, 1973

S.O. 3488.—In exercise of the powers conferred by Clause (a) of Sub-section (2) of Section 79 of the Punjab Re-organisation Act, 1966 (31 of 1966), the Central Government hereby appoints Shri B. K. Uppal, Addl. Chief Engineer (Projects), Government of Haryana, as a whole-time Member of the Bhakra Management Board vice Shri K. R. Mehndiratta, with effect from the afternoon of the 10th September, 1973.

[No. 55/73-F. 6/3/73 Adm. V]

J. K. SAHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 27 नवम्बर, 1973

का. आ. 3489.—भारतीय बिजली नियम, 1956 के नियम 5 के साथ पठित नियम 4 क द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए और इस मंत्रालय की अधिसूचना सं. वि. दो-4(1)/70 दिनांक 27 फरवरी, 1970 का अधिलेखन करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एलड्वारा, केन्द्रीय जल तथा विद्युत आयोग (विद्युत स्कंध) के निम्नीलिखित अधिकारियों को तत्काल ही अग्रेतर आदेश जारी होने तक भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 (1910 का 9वां) के अनुच्छेद 38 के अधीन संघीय प्रदेशों और केन्द्रीय सरकार के विभिन्न बिजली प्रौद्योगिकियों के लिए नियुक्त किए गए केन्द्रीय बिजली निरीक्षक की सहायता करने हेतु अधिकारियों के रूप में नियुक्त करती हैं :—

1. श्री ईश कुमार, उप-निदेशक ।
2. श्री बी. सी. घोष, उप-निदेशक ।
3. श्री ओ. पी. हरमिलापी, सहायक निदेशक ।
4. श्री ए. वी. देशपाण्डे, सहायक निदेशक ।
5. श्री ओ. पी. शर्मा, सहायक निदेशक ।
6. श्री एम. पी. पार्थसारथी, सहायक निदेशक ।
7. श्री बी. एस. केरा, अतिरिक्त सहायक निदेशक ।
8. श्री टी. के. नाथ, सहायक निदेशक ।
9. श्री एस. दत्त चौधरी, अतिरिक्त सहायक निदेशक ।
10. श्री एन. रामलिंगम, सहायक निदेशक ।
11. श्री वी. नागसामी, अतिरिक्त सहायक निदेशक ।

[सं. वि. दो-4(5)/73]

New Delhi, the 27th November, 1973

S.O. 3489.—In exercise of the powers conferred by rule 4A with rule 5 of the Indian Electricity Rules, 1956, and in supersession of this Ministry's Notification No. EL-II-4(1)/70 dated the 27th February, 1970, the Central Government hereby appoints with immediate effect and until further orders, the following officers of the Central Water and Power Commission (Power Wing) to be the officers to assist the Central Government electric installations, appointed under Central Electrical Inspector for various Union Territories and section 36 of the Indian Electricity Act, 1910 (9 of 1910), namely :—

1. Shri Ish Kumar, Deputy Director.
2. Shri B. C. Ghosh, Deputy Director.
3. Shri O. P. Harmilapi, Assistant Director.
4. Shri A. V. Deshpande, Assistant Director.

5. Shri O. P. Sharma, Assistant Director.
6. Shri M. P. Parthasarthy, Assistant Director.
7. Shri V. S. Kerra, Extra Assistant Director.
8. Shri T. K. Nath, Assistant Director.
9. Shri S. Dutta Chowdhury, Extra Assistant Director.
10. Shri N. Ramalingam, Assistant Director.
11. Shri V. Nagaswamy, Extra Assistant Director.

[No. EL. II-4(5)/73]

आदेश

नई दिल्ली, 28 नवम्बर, 1973

का. आ. 3490.—भारतीय बिजली नियमावली, 1956 के नियम 133 के उप नियम (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए भारत सरकार एलड्वारा मैसर्स सीएसएडॉव व कोमेंतो इन्स्ट्रियल (प्रा.) लिमिटेड कूदनेम, डाकखाना संक्यीलम, गोवा के हारवलम लोहा अयस्क खान में टाटा पी. एण्ड एच. संस्था 955-ए मेक वीड्युत शावल में लगे 9 के. वी. ए. 380/115 वी, बीन एण्ड कम्पनी, कलकत्ता मेक रो ली गई 115 और 105 वोल्ट सप्लार्ड के संबंध में उक्त नियमावली के नियम 118 (ग) और 130 के प्रावधानों को इस सीमा तक शिथिल करती हैं कि नियंत्रण और प्रकाश-व्यवस्था परिपथ के लिए 115 और 105 वोल्ट के न्यूट्रलों को भूसम्पर्कित नहीं किया गया है ।

[संख्या वि. दो-6(5)/72]

सुरेन्द्र प्रकाश जैन, उप निदेशक (विद्युत)

ORDER

New Delhi, the 28th November, 1973

S.O. 3490.—The Central Government in exercise of the power conferred on them by sub-rule (2) of Rule 133 of Indian Electricity Rules, 1956, hereby relax the provisions of rule 118(c) and 130 of the said rules, in respect of 115 and 105 volts supply obtained from a 9KVA, 380/115V, Bean & Co., Calcutta make, auto-transformer, situated in TATA P&H No. 955-A Make Electric Shovel at Karvalem Iron Ore Mine of M/s. Sociedade de Formento Industrial Pvt. Ltd., Cudnem, P.O. Sanquelim, Goa to the extent that the neutrals for 115 and 105 volts for control and lighting circuits are not earthed.

[EL. II-6(5)/72]

S. P. JAIN, Dy. Director (Power)

श्रम और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 1973

का. आ. 3491.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में, मैसर्स शान्तिलाल खुशालदास एण्ड बूदर्स प्राइवेट लिमिटेड की गुमोल्लेम एण्ड कूदनेम आयरन और माइन्स मारगाओ (गोवा) के प्रबन्धसूत्र से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मचारियों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है,

और यतः केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्दिष्ट करना बांछनीय समझती है ;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधि-करण (संख्या 2), मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है।

अनुसूची

क्या मेसर्स शान्तिलाल खुशालदास एण्ड बुदर्स प्राइवेट लिमिटेड की, गुर्मोल्लेम एण्ड कुदनेम आयरन ओर माइन्स मार्गाओ (गोवा) के प्रबन्धतंत्र की श्रीमती सरस्वती गौन्स, पानी-वाहक की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायो-चित् थी? यदि नहीं, तो वे किस अनुतोष की हकदार हैं?

[सं. एल-29012/32/73-एल. आर.-4]

MINISTRY OF LABOUR AND REHABILITATION (Department of Labour and Employment)

ORDER

New Delhi, the 12th November, 1973

S.O. 2491.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Gurmollem and Cudnem Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal (No. 2), Bombay, constituted under Section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Gurmollem and Cudnem Iron Ore Mines of Messrs Shantilal Khushaldas and Brothers Private Limited, Margao (Goa) was justified in terminating the services of Smt. Saraswati Gauns, Water Carrier? If not, to what relief is she entitled?

[No. L-29012/32/73-LR. IV]

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3492.—यतः केन्द्रीय सरकार ने यह समाधान हो जाने पर कि लोक हित में ऐसा उपरिष्ठत धा, भारत सरकार के तत्कालीन श्रम और पुनर्वास मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधि-सूचका संख्या का. आ. 1753 तारीख 4 जून, 1973 द्वारा दिल्ली वृद्ध स्कीम के अधीन वृद्ध के प्रदाय के लिये उद्योग की औद्यो-गिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) के लिए 22 जून, 1973 से छः मास की कालावधि के लिए लोक उपयोगी सेवा घोषित किया था।

23-5-1972

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित औद्योगिक अधि-करण (संख्या 2), मुम्बई को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है।

26. CM/L-3138
24-8-1972

1-9-1972

31-8-1973

Krishna Steel Industries Pvt. Ltd., Antop Hills, Wadala, Bombay-31
(Office: Yaswani Mansions, 120 Dinshaw Vachha Road, Bombay-20)

Mild steel for metal arc welding electrode core wire, wire rods 5 to 14 mm. dia—
IS : 2879-1967

उक्त उद्योग के उक्त अधिनियम के प्रयोजन के लिये 22 दिसम्बर, 1973 से छः मास की और कालावधि के लिये लोक उपयोगी सेवा घोषित करती है।

[फा. सं. एस. 11025/18/73-एल. आर. 1]

New Delhi, the 1st December, 1973

S.O. 3492.—Whereas the Central Government, being satisfied that the public interest so required, had declared by a notification made in pursuance of the provisions of the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), [being the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 1753 dated the 4th June, 1973] the industry for the supply of milk under the Delhi Milk Scheme to be a public utility service for the purposes of the said Act for a period of six months from the 22nd June, 1973;

And whereas the Central Government is of opinion that the public interest requires the extension of the said period by a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-clause (vi) of clause (n) of section 2 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby declares the said industry to be a public utility service for the purposes of the said Act for a further period of six months from the 22nd December, 1973.

[F. No. S. 11025/18/73-LR-I].

आदेश

का. आ. 3493.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनिर्दिष्ट विषयों के बारे में मेसर्स पि हिन्दुस्तान कन्स्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड, मुम्बई के प्रबन्धतंत्र और उनके कर्मचारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है या होने की आशंका है;

और यतः उक्त विवाद में राष्ट्रीय महत्व का प्रश्न अंतर्नीत है और उक्त विवाद ऐसी प्रकृति का है कि एक से अधिक राज्य में स्थित औद्योगिक स्थापनों का ऐसे विवाद में हितबद्ध होना या उससे प्रभावित होना सम्भाव्य है;

और यतः केन्द्रीय सरकार की राय है कि उक्त विवाद का राष्ट्रीय अधिकरण द्वारा न्यायनिर्णयन किया जाना चाहिये;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7ख और धारा 10 की उपधारा (1) क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार जबलपुर में एक राष्ट्रीय औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री एस. एन. काटजू होंगे और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निदेशित करती है।

अनुसूची

क्या कर्मचारों की ओर से (1) मजदूरी या वेतन में 40 प्रति-शत की कटौति और (2) बिजली-दिए गए हैं, बिजली-पुनरुद्धार के लिए कोई गैर-न्यायोचित है? यदि हाँ तो

ORDER

S.O. 3493.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists or is apprehended between the management of Messrs. The Hindustan Construction Company Limited, Bombay and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the said dispute involves a question of national importance and the said dispute is of such a nature that industrial establishments situated in more than one State are likely to be interested in, or affected by, such dispute;

And, whereas the Central Government is of opinion that the said dispute should be adjudicated by a National Tribunal;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7B, and sub-section (1A) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes a National Industrial Tribunal at Jabalpur, of which **Shri S. N. Katju** shall be the Presiding Officer, and refers the said dispute to the said Tribunal for adjudication.

SCHEDULE

Whether the demands made on behalf of the workmen for (i) 40 percent wage or salary rise and (ii) rest day wages are justified? If so, to what extent, and to what relief are the workmen entitled?

[No. L-51025/28/72-I&E(I)].

New Delhi, the 6th December, 1973

S.O. 3494.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Jabalpur, in the industrial dispute between the employers in relation to the Anand Insurance Company, Kanpur and their workman, which was received by the Central Government on the 29th November, 1973.

CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL—
CUM-LABOUR COURT, JABALPUR (M.P.) CAMP
AT ALLAHABAD

Present :

Mr. Justice S. N. Katju, Presiding Officer.

Case No. CGIT/LC(R)(14) of 1973

Parties :

Employer in relation to the Anand Insurance Company Limited, Kanpur and their workman, Shri Ishtiaq Hussain Kazmi, Inspector, 89, Latouche Road, Lucknow (U.P.).

Appearances :

For Employers—Shri A. D. Prabhakar, Advocate.

For Workman—Shri Ishtiaq Hussain Kazmi, workman concerned.

Industry : Insurance Company District : Kanpur (U.P.)

AWARD

This is a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act 1947.

The question referred to this Tribunal for its adjudication

“Whether the action of the management of the Anand Insurance Company Limited Kanpur, in terminating

the services of Shri Ishtiaq Hussain Kazmi, Inspector, at Lucknow with effect from the 30th June, 1972, is justified? If not, what relief he is entitled to?”

By my order dated 27-7-1973 I had directed the parties to file their written statements on 13-8-1973. The written statement of the workman was received on 8-8-1973, by the Anand Insurance Company Limited, Kanpur (hereinafter called the Company) did not file its written statement on 13-8-1973. On 7-9-1973 the Company's representative appeared before me and prayed for one month's time for filing the Company's written statement. The next date fixed for filing of written statement and preliminary hearing was 11-10-1973. On that day the Company's representative prayed for further time for filing its written statement. The workman objected to the grant of time saying that he was being harassed by the Company. I, however, allowed the Company further time upto 23-9-1973 for filing its written statement subject to the condition that Rs. 30 as costs was paid to the workman before the next date of hearing. On the representative of the Company's own request I fixed the next date of hearing at Lucknow on 23-10-1973. On that date no representative of the Company was present before me. The workman, Syed Ishtiaq Hussain Kazmi, was present. I recorded his evidence and heard his arguments.

Syed Ishtiaq Hussain Kazmi was appointed by the Northern India General Insurance Company Ltd., Kanpur which was subsequently renamed as the Anand Insurance Company Limited and is now known as the “New India Insurance Company Limited”, as an Inspector at Lucknow with effect from 1-1-1970 by letter dated 17-12-1969 on a salary of Rs. 205 per month. Para 10 of the aforesaid letter of appointment said :—

“Your appointment is purely temporary and can be terminated by either side by giving one month's notice. If your services are found satisfactory the question of your confirmation will be considered after one year.”

On 6-5-1972 the Divisional Manager of the Company sent a letter to the workman (Ex. W/3) saying that while he was required to collect a business of Rs. 40,000 per year he had not been able to collect even half of it. During 1971 it was Rs. 8746 only and upto 30th March 1972 it was Rs. 2481 only. It was further stated by the Divisional Manager in the aforesaid letter that the workman had :—

“not introduced any independent agent upto this time. You are earning the commission and drawing the salary as well which is regular....

It is not thus possible for us to retain your services at such a high cost. You should reduce the expenses.

Please reply at the earliest what steps you propose to do so.

If you do not give a satisfactory explanation within 15 days from today your services will be terminated.”

The workman replied to the aforesaid letter by his letter dated 18-5-1972 (Ex. W/4). He stated that the Commission was paid to his agents which could be verified by any officer of the Company. He complained that the letter dated 6th May, 1972 had been issued “as an expression of some personnel prejudicial feelings rather than the administrative suggestion or review.” He further stated that “increase in the business as you will agree depends upon the mental & economic satisfactions which I very sadly say that the same have never been considered by the Company.”

It may be mentioned that on 21-4-1973 the workman had sent a letter to the Controller of Insurance, Simla (Ex. W/2). In this letter he complained that :—

“In utter disregard of standing orders and rules on the point, no provident fund has been arranged nor any annual increment have been allowed to us so far. Our repeated requests to Mr. Ram Chandra Misra has evoked no response from him and we have a feeling that our appointment are bogus.

That a few of us have recently been attached to Mr. Ram Asray Chaturvedi (his own favourite) the

Branch Secretary, the Anand Insurance, 6, Novely Building Caiper Road, Lalbagh, Lucknow. The Inspectors are putting up with all these unbearable troubles "without" a word of protest or complaint as that might cost them their services."

The workman has stated that there was no response from the Custodian with regard to the aforesaid letter sent by him and he again sent some reminders to the Company. According to the workman, "the request was not relished by Sri Ram Chandra Misra, the Divisional Manager of the Company..." He further said that "the aforesaid officer, being sensitive in the matter of his own superiority treated the request as an act of impertinence and blowed hot the furnace to sack the applicant motivated by him own pulses to punish the supposed act of impertinence in the reply to the request said above, the applicant was served with a notice No. KP/848/82 dated 6-5-1972 which actually was received on 11-5-1972." The aforesaid notice terminating the workman's services is dated 15-7-1972 (Ex. E/5). It says:—

"We feel sorry to write you that we have instructed to inform you that your services of Development Officer in our company have been terminated with effect from 30th June, 1972 vide Divisional Office letter No. KP/988/72 dated 27th May, 1972 with one month's notice in advance."

The workman sent a representation to the Custodian dated 16-10-1972 (Ex. W/6) protesting against the order terminating his services. From the aforesaid narrative of facts it is not clear whether the workman's initial temporary service had been confirmed by the Company after one year of his appointment. Further, there is no indication that the aforesaid letter of the Divisional Manager dated 27-5-1972 was sent to the workman. The workman only received the aforesaid notice dated 15-7-1972. The notice Ex. W/5 does not say that the Divisional Manager's letter dated 27-5-1972 had been sent to the workman. The notice Ex. W/5 clearly says that:—

"your services of Development Officer in our Company have been terminated with effect from 30th June, 1972 with one month's notice in advance."

It is obvious from the material on the record that the workman was given a notice on 15-7-1972 in which it was said that his services had been terminated with effect from 30th June, 1972. Even if the workman's services had continued to remain purely temporary under the terms of his appointment it could only be terminated by giving him one month's notice. It appears that no such notice was given to the workman and he was only informed by letter Ex. W/5 dated 15-7-1972 that his services stood terminated with effect from 30-6-1972. The earlier letter of the Company dated 6-5-72 (Ex. W/3) cannot be treated as a proper notice for termination of workman's services. That letter called for an explanation from the workman and it concluded by saying:—

"If you do not give a satisfactory explanation within 15 days from today your services will be terminated."

Even if there was no satisfactory explanation by the workman it was incumbent on the part of the Company to have given him one month's notice for terminating his services. Under these circumstances, there is no escape from the conclusion that the services of the workman had been terminated without a proper notice being given to him as required by paragraph 10 of his letter of appointment (Ex. W/1).

It is not necessary for me to go into the question whether the workman's services had been terminated because the Divisional Manager, Sri Ram Chandra Misra, was prejudiced against him. I hold that the workman's services were wrongly terminated by the Company.

The workman has claimed arrears of his pay at the rate of Rs. 205 p.m. from 1-6-1972 to 31-8-1973 amounting to Rs. 3075. He has further claimed increments at the rate

of Rs. 25 for the aforesaid 15 months amounting to Rs. 375. In addition he has also claimed:—

Difference of pay and increment at Rs. 50 (from 1-6-72 to 31-12-73)	Rs. 750
Bonus for the year 1970	410
Bonus for the year 1971	460
Bonus for the year 1972	510
Bonus for the year 1973	560
at the rate of Rs. 280 (Two months' pay).	

In all the workman has claimed Rs. 6140.

There is no mention in the letter of appointment that the workman's post as an Inspector had any "time scale" or whether he was entitled to any bonus. The workman has only contended that the employees of the Company "were deeply distressed over the wilful disregard of question of provident fund, bonus, gratuity and increment of the salary by the officers of the Company." He stated in his deposition before me that in disregard of the standing orders and rules no provident fund and annual increment had been given to him and he was entitled to the "increment bonus etc." that has been claimed by him under the rules of the Central Government as also of the State Government. He has prayed for his reinstatement. Besides the aforesaid statement of the workman there is no material on the record to show that under the terms of his appointment the workman was entitled either to any annual increment or to any bonus. Under these circumstances the workman is only entitled to his salary at the rate of Rs. 205 p.m. from 1-6-1972 to 31-8-1973 and for subsequent months after his reinstatement. He is not entitled to any increment, deference of pay or bonus as claimed by him. The workman stated before me that he was 58 years of age and according to the rules of the Central Government the age of superannuation is 60 years. I am not sure about the aforesaid rules. From his looks the workman appeared to about 58 years old. He might have completed 58 years and is running his 59 year. The Company may have a record of his age. It will be open to the Company to dispense with the workman's services after his reinstatement, if he has attained the age of superannuation.

I hold that the action of the management, Anand Insurance Company Limited, Kanpur, in terminating the services of Shri Ishtiaq Hussain Kazmi, Inspector at Lucknow with effect from 30-6-1972 was not justified and he is entitled to receive from the Company Rs. 3075 as his salary at the rate of Rs. 205 from 1-6-1972 to 31-8-1973 and further till the date he reaches the age of superannuation. Since the workman has been wrongly dismissed he shall be reinstated in his service. I make my award accordingly. The workman will have Rs. 150 as costs in addition to the amount of Rs. 30 which I had directed by my order dated 11-10-1973 to be paid to him. Thus in all he will be paid Rs. 180 as costs.

S. N. KATJU, Presiding Officer.

Dated October 24, 1973.

[File No. L-17012/4/73-LR. I]

S. S. SAHASRANAMAN, Under Secy

सावेश

नई दिल्ली, 10 नवम्बर, 1973

का० प्रा० 3495:— यतः हमसे उपाबद्ध अनुसूची में ब्रिटिश औद्योगिक विवाद श्री के० सीताराम राव, पीठामीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण, मद्रास के सम्बन्ध है ;

और यतः श्री के० सीताराम राव की सेवाये अब उपलब्ध नहीं हैं ;

अतः अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7-क और धारा 33(ख) की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा, एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है, जिसके पीठामीन अधिकारी श्री टी० पाला-नियामन होंगे, जिनका मुख्यालय मद्रास होगा और श्री सीताराम राव

से उक्त विवाद से सम्बद्ध कार्यवाहियों को बापिस लेती है और उसे उक्त कार्यवाहियों के निपटाने के लिए उक्त औद्योगिक अधिकरण, मद्रास को इस निर्देश के साथ अतर्गत करती है कि उक्त अधिकरण उक्त कार्यवाहियों को नये सिरे से प्रारम्भ करेगा और उनका निपटारा कानून के अनुसार करेगा।

अनुसूची

क्रम	विवाद के पक्षकार	औद्योगिक अधिकरण को निर्देश की सख्या और तारीख
1.	मद्रास पोर्टनिकासी और एजेंट्स एसोसिएशन मद्रास और उनके कर्मकार जिनका प्रतिनिधित्व मद्रास बन्दरगाह श्रमिक यूनियन, मद्रास करती है।	भारत के राजपत्र के भाग 2, खण्ड 3(ii) में प्रकाशित एन-33011/9/73-पी० एण्ड डी०, दिनांक 22 सितम्बर, 1973, देखिए, कां०सं० 2906, दिनांक 6-10-1973.

[सख्या एन-33011/9/73-पी० एण्ड डी०]

New Delhi, the 30th Nov, 1973

ORDER

S.O. 3495.—Whereas the industrial dispute specified in the Schedule hereto annexed is before Shri K. Seetharama Rao, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Madras; and

And Whereas, the services of Shri K. Seetharama Rao have ceased to be available;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and sub-section (1) of section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal with Shri T. Palaniappan, as Presiding Officer, with headquarters at Madras, withdraws the proceedings in relation to the said dispute from Shri K. Seetharama Rao and transfers the same to the said Industrial Tribunal, Madras for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the said proceedings de novo and dispose of the same according to law.

SCHEDULE

S. No.	Parties to the dispute	No. and date of reference to the Industrial Tribunal
1.	Management of Madras Port clearing and Forwarding Agents' Association, Madras and their workmen represented by Madras Harbour Workers' Union, Madras.	No. L. 33011/9/73-P&D, dated the 22nd September, 1973 published in the Gazette of India Part II, section 3 (ii) vide S.O. No. 2906, dated the 6th October, 1973.

[No. L. 33011/9/73-P. & D.]

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1973

कां० सं० 3496.—गोदी कर्मकार (नियोजन का विनियमन) अधिनियम, 1948 (1948 का 9) की धारा 5-क की उप-धारा (1) और (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और नौवगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां० सं० 1220, दिनांक 15 अप्रैल, 1965, जो भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधि-

सूचना सख्या कां० सं० 2930, दिनांक 20 अगस्त, 1968 के साथ पठित है, में निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात्—

प्रथम उल्लिखित अधिसूचना में,—

(I) “केन्द्रीय सरकार का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य”,

शीर्षक के नीचे, मद्द सख्या (1) से (4) के लिए, निम्नलिखित मद्द क्रमण प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(1) श्री आर० जे० मजीठिया,

अध्यक्ष, मारुगाओ पोर्टनिकासी ट्रस्ट, मारुगाओ।

(2) उपाध्यक्ष,

मारुगाओ गोदी श्रम बोर्ड, मारुगाओ।

(3) श्रम आयुक्त,

गोवा, सरकार, पानाजी।

(4) सहायक आयुक्त (केन्द्रीय),

वास्को-डा-गामा।”;

(II) “गोदी श्रमिकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य”,

शीर्षक के नीचे मद्द (3) और (4) के लिए, निम्नलिखित मद्द क्रमण, प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(3) श्री गेराल्ड पेरेइरा

(4) श्री गोपीनाथ वामन राव

} मारुगाओ मसुन्नटीय श्रमिक यूनियन के प्रतिनिधि”,

(III) “गोदी श्रमिकों और जहाजरानी कर्मचारियों के नियोजकों का प्रतिनिधित्व करने वाले सदस्य”,

शीर्षक के नीचे मद्द (1) से (4) के लिए, निम्नलिखित मद्द क्रमण प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“(1) श्री फोर्डनानो सी० आर० माचदो

(2) श्री सी० एन० मानेरकार

(3) श्री ए० बी० प्रभु

(4) श्री जे० ए० ठक्कर

} मारुगाओ नौधर्य एसोसिएशन के प्रतिनिधि।

} भारतीय राष्ट्रीय जहाज मालिक एसोसिएशन के प्रतिनिधि।

} मारुगाओ स्टीमशिप ऐजेंसी की एसोसिएशन के प्रतिनिधि।

(IV) पैराग्राफ 2 के लिए, निम्नलिखित पैराग्राफ प्रतिस्थापित किया जायेगा, अर्थात् :—

“2 केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा श्री आर० जे० मजीठिया, अध्यक्ष, मारुगाओ पोर्टनिकासी ट्रस्ट, मारुगाओ को उक्त बोर्ड का अध्यक्ष मनोनीत करती है।”

[सं० सी० 16012/1/72 पी० एण्ड डी०]

बी० शंकराजिगम, अव्वर सचिव,

New Delhi the 3rd December, 1973

S.O. 3496.—In Exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (4) of section 5A of the Dock Workers (Regulation of Employment) Act, 1948 (9 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 1220, dated the 15th April, 1965, read with the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2930, dated the 20th August, 1968, namely :—

In the first mentioned notification,—

(i) for items (1) to (4) under the heading

“Members representing the Central Government:”,

the following items shall respectively be substituted, namely:—

“(1) Shri R.J. Majithia,

Chairman, Mormugao Port Trust, Mormugao.

(2) The Deputy Chairman,
Mormugao Dock Labour Board, Mormugao.

(3) The Labour Commissioner,
Government of Goa, Panaji.

(4) The Assistant Labour Commissioner
(Central), Vasco-da-Gama.”;

(ii) for items (3) and (4) under the heading

“Members representing the dock workers”,
the following items shall respectively be substituted, namely:—

“(3) Shri Gerald Pereira.	} Representatives of the Mormugao Waterfront workers Union”;
(4) Shri Gopinath Waman Rao	

(iii) for items (1) to (4) under the heading

“Members representing the employees of dock workers and
shipping companies”;

the following items shall respectively be substituted; namely:—

“(1) Shri Froilano C. R. Machado.	} Representatives of the Mormugao ‘Stevedores’ Association.
(2) Shri V.S. Manerkar.	
(3) Shri A.V. Prabhu	Representative of the Indian National Ship- owners Association.
(4) Shri J.H. Thakkar	Representative of the Mormugao Steamship Agents’ Association.

(iv) for paragraph 2, the following paragraph shall
be substituted, namely:—

“2. The Central Government hereby nominates Shri R.J.
Majithia, Chairman, Mormugao Port Trust, Mormugao,
as the Chairman of the said Board.”

[No. V-16012/1/71-P&D]

New Delhi, the 6th December, 1973

S.O. 3497.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Bombay in the industrial dispute between the employers in relation to Messrs V. Patel and Company and others and their workmen, which was received by the Central Government on the 24th November, 1973.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, BOMBAY

Reference No. CGIT-No. 13 of 1967

Parties :

Employers in relation to Messrs. V. Patel Co. and
others

AND

Their Workmen

Present :

State : Maharashtra. **Industry :** Clearing and Forwarding
(Major Ports and Docks).

Bombay, the 15th October, 1973

AWARD

PART II

I have by award Part I dated 31-5-1969 published in the Gazette of India Part II Section 3(ii) dated 26th July 1969 adjudicated on the issue in the first part of the reference order and have declared that all the employees of the clearing and forwarding agents except customs clerks and the general clerks are covered by the recommendations of the Central Wage Board and were entitled to the benefits under the Report. Regarding the customs clerks and general clerks I had held that they were not dock workers under the definition. They were not covered by the recommendations of the Central Wage Board for Port and Dock Workers and the employers were justified in not implementing the recommendations of the Central Wage Board in respect of them and in their cases the second part of the reference order was applicable. By the award I had given directions that the employers and the union should file statement of claim and written statement regarding the second part of the reference within a month of the publication of the award. But the parties had taken adjournments and the proceedings were required to be kept pending.

2. The dispute under reference involves employers both from Bombay and Madras and my award Part I was only in respect of the dispute between the Bombay employers and their workmen. In the meanwhile some 98 employers had preferred appeals to the Supreme Court Nos. 1967/69 and 1968/69 against the award and the record of the proceedings were forwarded to the Hon'ble Supreme Court but during the pendency of this appeal these 98 employers whose names have been given in Appendix A settled the matter and entered into an agreement with the employees settling the whole dispute.

3. All the employees in service with the 98 employers who were held to be covered by the recommendations of the Central Wage Board and those who were not so covered had joined the agreement and were parties to the settlement. As per the reference order those who were not covered by the recommendations of the Central Wage Board and were not entitled to the benefits under the Report and in whose cases the employers were justified in not implementing the recommendations the Tribunal was required under the reference order to draw up a scheme of dearness allowance and fix proper scales of pay and method of fixation. By the settlement the 98 employers have agreed to fix and have fixed different scales of pay for the different categories of employees and have also made provision for fitment in the revised scales. Their Lordships of the Supreme Court have recorded the agreement and in view of this settlement and as both the parties have agreed to abide by the terms of the settlement filed before the Supreme Court a copy of which is attached herewith as exhibit A. I make an award that the dispute in respect of the 98 employers and their workmen does not survive.

4. After the record of the proceedings was received back from the Hon'ble Supreme Court notices were issued to the parties directing them to file their written statements about the second part of the reference order and the proceedings were pending for statement of claims. During this pendency some 30 employers whose names have been given in appendix B have also come to terms with their employees and have settled the whole dispute on line similar to the agreement between the 98 employers and their workmen. These 30 employers have accepted the terms of the settlement and by this settlement the whole dispute in the reference order both under the first and second part has been settled. The settlement fixes the scales of pay method of classification and fitment. The pay scales are consolidated pay scales based upon the all India working class consumer price index at No. 215 and there is also a provision for additional dearness allowance for increases over and above the index number. The employers have also agreed to make some lump sum payments for claims of interim relief and additional D.A. upto the date of the revised scales and considering the terms of the settlement in my opinion the terms are reasonable. I accept the settlement between the terms are reasonable. I accept the settlement between the 30 employers and their workmen and pass an award accordingly.

5. In the original reference order there were in all 435 employers out of whom 360 are from Bombay and 75 from Madras. I have already observed that award part I was in respect of the parties from Bombay and after the award and appeals in the Supreme Court the 98 employers mentioned in the Appendix have entered into agreements and filed it before the Supreme Court and as they have agreed to abide by that agreement the dispute does not survive. As regards the 30 employers whose names are given in appendix B they have settled the dispute and produced a settlement at exhibit B which is reasonable and I make an award accordingly.

6. In my award Part I Paragraph 41 I had given the list of employers against whom the union did not press the demands in the reference order. The list does not include the names of the employers Messrs. Mahindra and Mahindra Ltd., and Shri Shroff the learned Counsel appearing for the employers has submitted that the workmen of the employers had not raised any dispute about the implementation of the recommendations of the Wage Board. They are being paid higher wages. The union had also not pressed the issues against them and they had no objection for excluding the name of the employers from the records but their name has not been included in the list in para 41 and now they should be excluded.

7. The employers Messrs. Mahindra and Mahindra Ltd. whose name appears at serial No. 267 in the schedule attached to the reference order are primarily manufacturers of automobile jeeps, wagons etc. and have a small clearing and forwarding section. It is an integral part of the company's operations. The management have also produced a statement showing the scales of pay, dearness allowance etc., in respect of the workmen attached to that section and considering the same it is quite natural that the workmen would not raise any dispute. The learned Counsel Shri Sowani appearing for the union has submitted that the union has no objection if the name of the employers is excluded, and considering the circumstances it shall have to be declared that there is no dispute between the employers Messrs. Mahindra and Mahindra Ltd., at serial No. 267 and their workmen and hence in respect of them no dispute is my award accordingly.

8. In para 41 of my award Part I, I have already mentioned the names of the employers against whom the union has not pressed the claim. They are 18 and together with employer No. 267 Mahindra and Mahindra Ltd., the number of such employers will be in all 19. There are four employers serial Nos. 59, 289, 345 and 26 who have no employees and their names have been dropped from the reference and no award can be made against them. I have mentioned this fact in paragraphs 108 and 109 of the award. About 22 employers whose names have been stated in appendix "C" could not be served with notices as their whereabouts were not known as they had either gone out of business or had become defunct. The Union did not press the reference against them. They have been mentioned in my award Part I paragraph 213 and now there remain only 168 employers from Bombay against whom the reference is pending. Issue notices to 168 employers from Bombay and fix the reference for further hearing.

9. I have already observed that there are 75 employers in the schedule who have got their headquarters at Madras and the reference against them is still pending. The unions had not given inspection of their registers to the employers and when the reference was fixed for hearing the Madras Harbour Workers' Union had filed a supplementary statement and the matter is still pending, and the employer have also given a reply dated 30th August 1973. Issue notice to the Madras party for the further hearing.

[No. 28/14/67-LR.III/P&D]

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL AT BOMBAY

Reference No. CGIT-13 of 1967.

Parties

Employers in relation to M/s. V Patel & Company Bombay and 434 Others.

and

Their Workmen.

May it please the hon'ble Tribunal

ANNEXURE 'A'

The employers mentioned in the Annexure 'A' hereto and their workmen represented by the Transport and Dock Worker's Union, Bombay have reached the following settlement in respect of the matters referred to the Hon'ble Tribunal by the Central Government vide Order S.O. No. 1920 dated 24th May, 1967. It is prayed that the Hon'ble Tribunal may be pleased to make an Award in the terms of the said Settlement.

Terms of Settlement

I. Scale of Pay.

The following pay-scales shall apply with effect from 1-9-1969

(a) Employees of employers who employ less than 20 employees in their Clearing and Forwarding Departments Sections.

(i) Junior Clerks, Typists, Telephone Operators, Godown Clerks.	} Rs. 215-10-305-15-425.
--	--------------------------

(b) Employees of employers who employ 20 or more employees in their Clearing & Forwarding Departments Sections.

(ii) Junior Clerks, Typists, Telephone Operators, Godown Clerks.	} Rs. 225-10-305-15-425-20-505
---	--------------------------------

(c) Employees of all employers.

(iii) Senior Clerks Stenographers Godown Keepers	} Rs. 250-10-300-15-420-20-500-25-600.
--	--

(iv) Head Clerks Supervisors, Assistant Managers, (Incharges)	} Rs. 275-15-350-20-450-25-550-30-670
--	---------------------------------------

(v) Lorry Drivers Rs. 200-10-250-15-385.

(vi) Car Drivers Rs. 200-10-250-15-340.

(vii) Carpenters Jamadars Head Watchmen	} Rs. 180-7-201-8-233-9-260-10-300.
---	-------------------------------------

(viii) Peons, Hamals, Watchmen, sweepers, Cleaners, Mazdoors.	} Rs. 165-4-189-5-214-6-226-7-240
--	-----------------------------------

Note : The above scales of pay are consolidated at All India Working Class Price Index of 215, which include element of basic pay, House Rent Allowance, Dearness Allowance, and City compensatory allowance.

Fitment.

A. For employees falling in the pay-scale at (i) to (vi) above :

(a) These employees shall be paid a fitment amount of Rs. 40/- to be added to their consolidated salaries as on 31st August 1969 (exclusive of an interim relief of Rs. 20/-) and then fitted in the revised scales.

(b) If on adding the fitment amount as per (a) above, the salary is below the minimum starting salary of the scale applicable to the employee, the same shall be brought to the minimum of the scale. If on adding the fitment amount as per (a) above, the salary of an employee is not a step in the scale applicable to him, then the said salary shall be stepped up to the next higher step in the grade applicable to the employee.

(c) After making adjustments as per (a) and (b) above, all employees falling in the pay-scale at (ii) to (viii) above in firms employing 50 or more employees in their Clearing and Forwarding Departments/Sections shall be paid one additional increment with effect from 1st September 1969.

B. For Employees in the pay-scales at items Nos. (vii) and (viii) above.

These employees shall be paid a fitment amount of Rs. 30/- added to their consolidated salaries as on 31st August 1969 (exclusive of the interim relief of Rs. 18/-) and fitted in the above revised scales. They shall also be given adjustment as in A(b) above.

C. On making fitment and adjustment as above the payment of interim relief as per Settlement dated 7th November, 1966 to all employees will cease from 1st September 1969.

D. After making fitment and adjustment as above, the next annual increment shall fall due from 1st September, 1970 and there after from 1st September is succeeding year.

E. Examples :-

(a) A junior Clerk employed in a firm employing less than 20 employees was rawing a salary of Rs. 200/- and interim relief of Rs. 20/- on 31 August, 1969. A fitment amount of Rs. 40/- will be added to Rs. 200/- and his salary will become Rs. 240/- per month. As Rs. 240/- per month is not a step in the scale applicable the salary of the employee shall be stepped up to Rs. 245/- per month from 1st September 1969. Interim relief of Rs. 20/- will cease from 1st September, 1969.

(b) If the employee in the above example was employed in a firm employing 50 or more employees, he would be given one additional increment from 1st September, 1969 and his salary from the said date would be Rs. 255/- per month. His interim relief of Rs. 20/- will from 1st September 1969.

(c) If a Junior Clerk was drawing a salary of Rs. 140/- per month on 31st August, 1969 and an interim relief of Rs. 20/- per month, a fitment amount of Rs. 40/- will be added to his salary of Rs. 140/- per month and the total amount will be Rs. 180/- per month. As Rs. 180/- per month is below the minimum starting salary of the scale, he will be brought to the minimum starting salary of the scale by giving a further amount of Rs. 35/-, making his total salary Rs. 215/-, if he is employed in a firm employing less than 20 employees in the clearing and forwarding Department/Section. If he is employed in a firm employing 20 or more employees but less than 50 employees in to Clearing and Forwarding Department/Section he will be given an amount of Rs. 45/- on Rs. 180/- and brought to Rs. 225/- per month. If he is employed in a firm employing 50 or more employees in the Clearing and Forwarding Department/Section he will be given an amount of Rs. 45/- on Rs. 180/- plus one increment of Rs. 10/- and brought to Rs. 235/- per month from 1st September, 1969. In all these cases the interim relief of Rs. 20/- will cease from 1st September, 1969.

(d) If a Peon was paid on 31st August 1969, a salary of Rs. 140/- and an interim relief of Rs. 18/- per month, Rs. 30/- will be added to his salary of Rs. 140/-, thus the total salary will be Rs. 170/- per month. As Rs. 170/- does not fit into the scale applicable to him, his salary will be stepped upto Rs. 173/- per month from 1-9-1969. The interim relief of Rs. 18/- will cease from 1-9-1969.

(e) If any employee covered by this agreement is at present paid by his employer on daily rate system of payment, such employee shall be paid in the scale agreed and applicable to his category as follows :-

1. His present daily rate shall be first multiplied by 30.
2. From this sum any interim relief paid to him under the agreement dated 7-11-1966 shall be deducted.
3. The balance shall be fitted into the agreed scale applicable to his category after adding fitment amounts as stated in clause A (a) or B as the case may be.
4. This amount shall then be divided by 30 and the new daily rate shall be fixed w.e.f. 1-9-1969.
5. This daily rate shall be increased every year by 1/26th of the annual increment contained in the scale applicable to him.

For Example :

If a daily rated workmen, say a driver, is getting a daily rate of Rs. 6/- and interim relief of 70 ps per day shift i.e. Rs. 6.70,

1. His daily rate shall be multiplied by $30 = 6.70 \times 30 = 201.00$.
2. Deduct Rs. 20/- by way of interim relief, $201.20 = 181.00$.
3. Add Rs. 40/- as fitment amount $181.40 - 221.00$
4. Divide 221 by 30 $221/30 = \text{Rs. } 7.36$.

Thus his daily rate from 1-9-1969 will be Rs. 7.36.

II. Dearness Allowance :

The above pay-scales are consolidated pay-scales based on the All India Working Class Price Index of 215. It is agreed that Scheme for additional dearness allowance for increase over the above Index number will be negotiated between the parties on the basis of the recommendations that may be made by the Central Government on the report of the Wage Board for Posts & Docks employees in respect of additional dearness allowance on increases in the cost of living index, but making allowance for the fact that the basic wage scales are consolidated as stated above.

III. It is agreed that the following lump-sum amounts shall be paid to the employees by employers.

A. For employees of firms not paying separate Dearness Allowance,

- (a) A lump-sum amount of Rs. 350/- to employees who were being paid Rs. 18/- per month by way of interim relief as per Settlement dated 7th November 1966 reached between the Bombay Customs House Clearing Agents Association and the Transport and Dock Workers' Union before the Assistant Labour Commissioner (Central Bombay).
- (b) A lump-sum amount of Rs. 400/- to those employees who were being paid Rs. 20/- per month by way of interim relief as per the said Settlement dated 7th November, 1966.

B. For employees of firms paying separate dearness allowance.

- (a) A lump-sum amount of Rs. 180/- to employees who were being paid Rs. 18/- per month by way of interim relief as per the said Settlement dated 7th November, 1966.
- (b) A lump-sum of Rs. 205/- to those employees who were being paid Rs. 20/- per month by way of interim relief as per the said Settlement dated 7th November, 1966.

C. The lump-sum payments as per A and B above shall be paid on prorata basis to employees who have joined service subsequent to 1-9-1966 or who have resigned, retired, retrenched or discharged after 1-9-1966.

D. The lump-sum payment as per A, B and C above shall be in full and final settlement of any claims for interim relief or additional dearness allowance upto 31-8-1969. From 1-9-69 the salaries will be as per this Settlement in respect of all employees.

E. The lump-sum payment as per A and B above shall be made on or before 30th April 1970.

F. In the case of daily rated employees the above amounts of lump-sum payments shall be paid on the basis of number of shifts worked by him during the period 1-9-1966 to 31-8-69 at the rate of 40 ps. or 45 ps. per shift as the case may be.

IV. This settlement applies to all employees concerned with the Clearing & Forwarding activities including those working at Godowns, Warehouses, Offices Docks Customs Railways, and Air-Port at Bombay.

V. This Settlement satisfies all the claims of the Employees in Reference No. CGIT-13 of 1967, and it is agreed that any Orders made by the Government of India on the basis of the

recommendations made by the Wage Board for Port and Dock Workers in respect of matters covered under this agreement shall not be pressed either directly or indirectly for acceptance by the employers, who are signatories to this agreement during its currency.

VI. It is agreed that if any firm has terms and conditions in respect of matters covered by this Settlement which are better, then the said firm will continue the said terms and conditions instead of those under this settlement. It is also agreed that allowances such as typing allowance, cycle allowance, personal pay, etc. wherever paid shall continue.

VII. The parties agree that any dispute arising out of interpretation and implementation of the terms of this Settlement, shall be referred to the sole arbitration of Shri Shanischandra-bhai C. Sheth, and his decision thereon shall be final and binding on the parties.

VIII. The parties agree that this Settlement and the Award to be made in terms thereof shall remain in operation for 5 years from 10th September, 1969.

IN WITNESS WHEREOF the parties have hereto set their hands the day and the year first above written.

Witness : For and on behalf of :

- (1) Dadabhoy Hormusjee & Sons Limited
(T. Ramchandra Raghunath Rao)
Assistant Manager
- (2) Trade Wings Private Limited
(Suman C. Sheth)
Managing Director.
- (3) H. S. Cox & Company Private Limited.
(Kamalnayan Chamanlal Parekh)
Director
- (4) New Bharat Commercial Services
Private Limited.

BST.

- (Nirmalkumar B. Agarwal)
Secretary.
- (5) Travels & Shipping Private Limited
(Valerian D'Souza)
Managing Director.
- (6) Blue Skies Private Limited
(Joe Alvares)
Manager.
- (7) D. Abraham & Sons Private Limited
(Samuel D. Abraham)
Director.
- (8) V. V. Dabke & Sons
(Vaman Vinayak Dabke)
Partner
- (9) E. Leslie & Company
Partner
- (10) U. K. Chitalia
(Suresh Chitalia)
Partner
- (11) Peraj Poonja
Partner
- (12) Dave Shipping Agency
(Chhaganlal T. Dave)
Partner
- (13) G. Khanmohomed
(Noorali, Gulamhussain Khanmohammed)
Partner
- (14) Kimatram & Sons
(Lakhchand Kimatram)
Partner
- (15) Hirachand M. Shah
Partner

- (16) Liladhar Pasoo & Company
(Narendra Mulji Shah)
Partner
- (17) D. H. Patkar & Company
(Vijayak Dattaram Patkar)
Partner
- (18) Chhaganlal Mohanlal & Company
Partner
- (19) Nensi Tejpal & Sons
(Nandalal Kanji Somaya)
Partner
- (20) Ramjee Jaisinh & Company
(Suresh Ramjee)
Partner
- (21) Nav Bharat Corporation
Partner
- (22) Ebrahim Karmali
(Mohomedali E. Karmali)
Partner
- (23) Manilal Mohanlal Karachiwala
(Kantivijay Karachiwala)
Partner
- (24) Gokaldas & Sons
(Jyotidhar Chandulal Contractor)
Partner
- (25) Dalal & Brothers
(Shantilal Thakordas Dalal)
Partner
- (26) Chhotalal Keshavji Shah & Sons
Partner
- (27) Overseas Trading Company
(Arthur J. Vaz)
Partner
- (28) Dalal Brothers
(Kishore T. Dalal)
Partner
- (29) Associated Transport Company
Partner
- (30) Mayekar & Sons
(Narayan M. Mayekar)
Partner
- (31) D. M. Kapadia
(Pramod Kapadia)
Partner
- (32) Mohanlal & Brothers
Partner
- (33) United Transport
(Prabhakar Mahadeo Thakoor)
Partner
- (34) Sind Punjab Clearing Agency
(Lilaram V. Idnani)
Partner
- (35) M. Gulabdas & Company
(Khandubhai Shankerji Desai)
Partner
- (36) R. J. Barsiwalla & Company
Partner
- (37) Manilal Patel & Company
(Madhukar T. Bandiwdekar)
Partner
- (38) Keshavlal Kalyanji & Company
(Ganpatlal Kalyanji)
Partner
- (39) Motumal & Company
(Parasaram Motumal Nasta)
Partner
- (40) Kaycee-Agencies
Partner

- | | |
|--|--|
| (41) Chinubhai Kalidass & Bros.
(Arvind Kalidass)
Partner | (69) E. Mathias
(Eusebip Mathias)
Proprietor |
| (42) B. C. Buhariwalla & Sons
Partner | (70) Jesia Mistry & Company
(Jesia Mistry)
Proprietor |
| (43) Eastern Shipping Agency
Partner | (71) Amritlal Vassanji
(Amritlal Vassanji Bhatt)
Proprietor |
| (44) Trivedi & Company
(K. P. Misra)
Partner | (72) H. Curranee & Company
Proprietor |
| (45) Mehta & Patel
Partner | (73) E. G. Phadnis & Sons
Proprietor |
| (46) Shroff & Company
Partner | (74) Karamji Damji Shah
(Karamji Damji Shah)
Proprietor |
| (47) N. K. Marathe & Company
Partner | (75) Jesraj Kalyanji & Company
Proprietor |
| (48) Ashar Brothers
Partner | (76) C. K. Pradhan
(Chandrakant Krishnarao Pradhan)
Proprietor |
| (49) Ishverlal Madanlal & Company
(Jashvantlal Uttamlal Kanakia)
Partner | (77) Safeet Agencies
Proprietor |
| (50) National Transport Company
(Navnitlal Uttamlal Kanakia)
Partner | (78) S. R. Pusalkar & Company
Manager |
| (51) Hussain Kassam Mukadam & Sons
Partner | (79) Universal Traffic Company
(A. Philip Vas)
Manager |
| (52) K. S. Sawant & Company
Partner | (80) V. H. Sanghavi
Proprietor |
| (53) Quick Clearing Agency
Partner | (81) Odharam Bulchand & Company
(Odharam Bulchand)
Proprietor |
| (54) Bombay Shipping Agency
Partner | (82) Saidas Kishenchand Mehra
Proprietor |
| (55) D. M. Mehta & Bros.
(Harsmukh D. Mehta)
Partner | (83) Dawn India
(J. D. Jhaveri)
Proprietor |
| (56) Babaji Shivram & Company
Partner | (84) Dominic & Company
Proprietor |
| (57) Laxmidas & Company
(Paravin Laxmidas Shah)
Partner | (85) Nathumal Navalrai
Proprietor |
| (58) Banatwalla & Sons
Partner | (86) K. A. Kulkarni
(Krishanth Atmaram Kulkarni)
Proprietor |
| (59)
(Curshed Naoroji Gundevia)
Proprietor | (87) A. M. Baraskar
(Anant Murari Baraskar)
Proprietor |
| (60) S. Hari Agencies
Proprietor | (88) Asia Transport
Proprietor |
| (61) C. H. Chinoy & Company
(C.H. Chinoy)
Proprietor | (89) Narayan Singh & Company
Proprietor |
| (62) Saradchandra P. Shah
(Saradchandra P. Shah)
Proprietor | (90) Tulsidas Khimji Private Ltd.
(Shantu Karsondas)
(Constituted Attorney) |
| (63) Kanji Jadhavi & Company
Constituted Attorney | (91) Lee & Muirhead (I) Pvt. Ltd.
(Arvind N. Parikh)
Jt. Managing Director |
| (64)
(D. R. Pandit)
Proprietor | (92) Airfreight Private Limited
(Homi Bomaji Wadia)
Manager, Administration. |
| (65) M. Dharamdas & Company
Motiram Dharamdas
Proprietor | (93) N. S. Guzder & Co. Pvt. Ltd.
(Kushroo Manekshaw Wacha)
Constituted Attorney |
| (66) Fairdeal Shipping Agency
Proprietor | (94) Khimji Poonja & Company
(Madhawdas Khetscy)
Partner. |
| (67)
(Vijaya Samali Sanghavi)
Proprietor | |
| (68)
(Sitaram Madhav Wairkar)
Proprietor | |

- (95) Jcena & Company
Partner
- (96) Sylvester & Company
(Alex Paul Fernandes)
Partner.
- (97) S. D. Engineer & Son
(Phiroz S. Engineer)
Partner.
- (98) P. Cawasji & Company
(Framroz Pastonji Ankalessaria)
Partner.
Transport & Dock Workers
Witness Union, Bombay.
Secretary.

ANNEXURE 'A'

1. T. Ramchandra Raghunath Rao,
Assistant Manager,
Dadabhoy Hormusjee & Sons Limited.
2. Suman C. Sheth,
Managing Director,
Trade Wings Private Limited.
3. Kamalnayan Chamanlal Parekh,
Director,
H. S. Cox & Company Private Limited.
4. Nirmalkumar B. Agarwal,
Secretary,
New Bharat Commercial Services Private Limited.
5. Valerian D' Souza,
Managing Director,
Travels & Shipping Private Limited.
6. Joe Alvares,
Manager,
Blue Skies Private Limited.
7. Samuel D. Abraham,
Director,
D. Abraham & Sons Private Limited.
8. Vaman Vinayak Dabke,
Partner,
V. V. Dabke & Sons.
9.
Partner,
E. Leslie & Company.
10. Suresh Chitalia,
Partner,
U. K. Chitalia.
11.
Partner,
Peraj Poonja.
12. Chhaganlal T. Dave,
Partner,
Dave Shipping Agency.
13. Noorali, Gulamhussain Khanmohomed,
Partner,
G. Khanmohomed.
14. Lakhanchand Kimatram,
Partner,
Kimatram & Sons.
15.
Partner,
Hirachand M. Shah.
16. Narendra Mulji Shah,
Partner,
Liladhar Pasoo & Company.
17. Vinayak Dattam Patkar,
Partner,
D. H. Patkar & Company.
18.
Partner,
Chhaganlal Mohanlal & Company.
19. Nandalal Kanji Somaya,
Partner,
Nensi Tejpal & Sons.
20. Suresh Ramjee,
Partner,
Ramjee Jaisinh & Company.
21.
Partner,
Nav Bharat Corporation,
22. Mohomedali E. Karmali,
Partner,
Ebrahim Karmali.
23. Kantivijay Karachivalla,
Partner,
Manilal Mohanlal Karachivalla.
24. Jyotidhar Chandulal Contractor,
Partner,
Gokaldas & Sons.
25. Shantilal Thakordas Dalal,
Partner,
Dala & Brothers.
26.
Partner,
Chhotalal Keshavji Shah & Sons.
27. Arthur J. Vax,
Partner,
Overseas Trading Company.
28. Kishore T. Dalal,
Partner,
Dalal Brothers.
29.
Partner,
Associated Transport Company.
30. Narayan M. Mayekar,
Partner,
Mayekar & Sons.
31. Pramod Kapadia,
Partner,
D. M. Kapadia.
32.
Partner,
Mohanlal & Brothers.
33. Prabhakar Mahadeo Thakoor,
Partner,
United Transport.
34. Lilaram V. Idnani,
Partner,
Sind Punjab Clearing Agency.
35. Khandubhai Shankerji Desai,
Partner,
M. Gulabdas & Company.
36.
Partner,
R. J. Barsiwalla & Company.
37. Madhukar T. Bandiwdekar,
Partner,
Manilal Patel & Company.
38. Ganpatlal Kalyanji,
Partner,
Keshavlal Kalyanji & Co.
39. Parasaram Motumal Nasta,
Partner,
Motumal & Company.
40.
Partner,
Kaycee-Agencies.
41. Arvind Kalidass,
Partner,
Chinubhai Kalidass & Bors.
42.
Partner,
B. C. Buhariwalla & Sons.

- | | |
|--|--|
| 43. Partner,
Eastern Shipping Agency. | 66. Proprietor,
Fairdeal Shipping Agency. |
| 44. K. P. Misra,
Partner,
Trivedi & Company. | 67. Vijaya Samali Sanghavi,
Proprietor, |
| 45. Partner,
Mehta & Patel. | 68. Siraram Madhav Wairkar,
Proprietor, |
| 46. Partner,
Shroff & Company. | 69. Eusebio Mathias,
Proprietor,
E. Mathias. |
| 47. Partner,
N. K. Marathe & Company. | 70. Jesia Mistry,
Proprietor,
Jesia Mistry & Company. |
| 48. Partner,
Ashar Brothers. | 71. Amritlal Vassanji Bhatt,
Proprietor,
Amritlal Vassanji. |
| 49. Jashvantlal Uttamlal Kanakia,
Partner,
Ishverlal Madanlal & Company. | 72. Proprietor,
H. Curranee & Company. |
| 50. Navnitlal Uttamlal Kanakia,
Partner,
National Transport Company. | 73. Proprietor,
F. G. Phandis & Sons. |
| 51. Partner,
Hussam Kassam Mukadam & Sons. | 74. Karamji Dhamji Shah,
Proprietor,
Karamji Damji Shah. |
| 52. Partner,
K. S. Sawant & Company. | 75. Proprietor,
Jesraj Kalyanji & Company. |
| 53. Partner,
Quick Clearing Agency. | 76. Chandrakant K. Jhnarao Pradhan,
Proprietor,
C. K. Pradhan. |
| 54. Partner,
Bombay Shipping Agency. | 77. Proprietor,
Safset Agencies. |
| 55. Harsmukh D. Mehta,
Partner,
D. M. Mehta & Bors. | 78. Manager,
S. R. Pusalkar & Company. |
| 56. Partner,
Babaji Shivram & Company. | 79. A. Philip Vaz,
Manager,
Universal Traffic Company. |
| 57. Paravin Laxmidas Shah,
Partner,
Laxmidas & Company. | 80. Proprietor,
V. H. Sanghavi. |
| 58. Partner,
Banatwalla & Sons. | 81. Odharam Bulchand,
Proprietor,
Odharam Bulchand & Company. |
| 59. Curshed Naoroji Gundevia,
Proprietor, | 82. Proprietor,
Saidas Kishanchand Mehra. |
| 60. Proprietor,
S. Hari Agencies. | 83. J.D. Jhaveri,
Proprietor,
Dawn India |
| 61. C. H. Chinoy,
Proprietor,
C. H. Chinoy & Company. | 84. Proprietor,
Dominic & Company. |
| 62. Saradchandra P. Shah,
Proprietor,
Saradchandra P. Shah. | 85. Proprietor,
Nathumal Navalrai. |
| 63. Constituted Attorney,
Kanji Jadhavji & Company. | 86. Krishnath Atmaram Kulkarni
Proprietor,
K.A. Kulkarni. |
| 64. D. R. Pandit,
Proprietor, | 87. Anant Murai Baraskar,
Proprietor,
A.M. Baraskar. |
| 65. Motiram Dharamdas,
Proprietor,
M. Dharamdas & Company. | 88. Proprietor,
Asia Transport. |

	1	2	3
89. Proprietor, Narayan Singh & Company.			
90. Shantnu Karsondas, Constituted Attorney, Tulsidas Khimji Private Limited.	23. Shri Manilal Mohanlal Karachiwala		94
91. Arvind N. Parikh, Joint Managing Director, Lee & Muirhead (I) Private Limited.	24. M/s. Gokal das & Sons		62
92. Homi Bomaji Wadia, Manager, Administration, Airfreight Private Limited.	25. M/s. Dalal & Brothers		5
93. Kushroo Manekshaw Wacha, Constituted Attorney, N.S.Guzder & Co. Private Limited.	26. M/s. Chhotulal Keshavji Shah & Sons		95
94. Madhavdas Khetsey, Partner, Khimji Pconja & Company.	27. M/s. Overseas Trading Co.		225
95. Partner, Jeena & Company.	28. M/s. Dalal Brothers		73
96. Alex Paul Fernandes, Partner, Sylvester & Company.	29. M/s. Associated Transport Co.		34
97. Phiroz S. Engineer, Partner, S.D. Engineer & Son.	30. M/s. Mayekar & Sons		72
98. Framroz Pestonji Ankalesaria, Partner, P. Cawasji & Company.	31. Shri D.M. Kapadia		353
	32. M/s. Mohanlal & Brothers		257
	33. M/s. United Transport		66
	34. M/s. Sind Punjab Clearing Agency		67
	35. M/s. Gulabdas & Co.		39
	36. M/s. R.J. Barsiwala & Co.		21
	37. M/s. Manilal Patel & Co.		41
	38. M/s. Keshavlal Kalyanji & Co.		61
	39. M/s. Motumal & Co.		8
	40. M/s. Kay-see Agencies		127
	41. M/s. Chinubhai Kalidass & Bros.		13
	42. M/s. B.C. Buhariwalla & Sons		48
	43. M/s. Eastern Shipping Agency		15
	44. M/s. Trivedi & Co.		36
	45. M/s. Mehta & Patel		14
	46. M/s. Shroff & Co.		30
	47. M/s. N.K. Maranhe & Co.		359
	48. M/s. Ashar Brothers		165
	49. M/s. Ishvarlal Madanlal & Co.		28
	50. M/s. National Transport Co.		7
	51. M/s. Hussain Kassam Mukkadam & Sons		214
	52. M/s. K.S. Sawant & Co.		293
	53. M/s. Quick Clearing Agency		49
	54. M/s. Bombay Shipping Agency		254
	55. M/s. D.M. Mehta & Brothers		45
	56. M/s. Babaji Shivram & Co.		65
	57. M/s. Laxmidas & Co.		12
	58. M/s. Banatwalla & Sons		229
	59. M/s. Crushed Naoroji Gundevia		284
	60. M/s. S. Hari Agencies.		174
	61. M/s. C.H. Chinoy & Co.		58
	62. Shri Sarashchandra P. shah		220
	63. M/s. Kanji Jadhavji & Co.		131
	64. Shri D.R. Pandit		288
	65. M/s. M. Dharmadas & Co.		137
	66. M/s. Eairdeal Shipping Agency		128
	67. Shri Vijaya Shamalji Sanghavi		158
	68. Shri Sitaram Madhav Waikar		311
	69. Shri E. Mathias		42

APPENDIX 'A'

EMPLOYERS WHO HAVE GONE IN APPEAL TO
SUPREME COURT

Sl. No.	Name	Sr. No. in the Order of Reference
1	2	3
1.	M/s. Dadabhoy Hormusjee & Sons Ltd.	24
2.	M/s. Trade Wings Private Limited	106
3.	M/s. H.S. Cox & Company Private Ltd.	53
4.	M/s. New Bharat Commercial Services Pvt. Ltd.	178 A
5.	M/s. Travels & Shipping Private Ltd.	9
6.	M/s. Blue Skies Private Ltd.	269
7.	M/s. D. Abraham & Sons Pvt. Ltd.	100
8.	M/s. V.V. Dabke & Sons	1
9.	M/s. E. Leslie & Co.	88
10.	Shri U.K. Chitalia	280
11.	M/s. Peraj Ponnja	178
12.	M/s. Dave Shipping Agency	264
13.	Shri G. Khanmohomed	299
14.	M/s. Kimatram & Sons	54
15.	Shri Hirachand M. Shah	70
16.	M/s. Liladhar Pasoo & Co.	91
17.	M/s. D.H. Patkar & Co.	18
18.	M/s. Chhaganlal Mohanlal & Co.	136
19.	M/s. Nensi Tejpal & Sons	251
20.	M/s. Ramji Jaisinh & Co.	156
21.	M/s. Nav Bharat Corporation	78
22.	Shri Ebrahim Karamali	341

1	2	3	1	2	3
70.	M/s. Jesia Mistry & Co.	140	112.	M/s. Motiwala & Sons	193
71.	M/s. Amritlal Vassanji	35	113.	Shri Manilal Mohanlal Parikh	153
72.	M/s. H. Curranee & Co.	82	114.	M/s. Sind Oriental Tourist Co.	249
73.	M/s. E.G. Phadnis & Sons	295	115.	M/s. Prabhulal L. Pandya & Co.	69
74.	Shri Karamji Damji Shah	199	116.	M/s. Vishwanath R. Raut & Co.	16
75.	M/s. Jesraj Kalyanji & Co.	145	117.	M/s. Reliance Traders	301
76.	Shri C.K. Pradhan	285	118.	M/s. Ramzan Katim & Sons	105
77.	M/s. Safest Agencies	55	119.	Shri Sakarchand G. Shah	283
78.	M/s. S.R. Pusalkar & Co.	11	120.	M/s. Sadanand Pandurang D. Tarkar	29
79.	M/s. Universal Traffic Co.	46	121.	M/s. Krishna V. Salgaokar	101
80.	Shri V.H. Sanghvi	27	122.	M/s. P.G. Bandivdekar	287
81.	M/s. Odharam Bulchand & Co	40	123.	M/s. V.K. Parab	282
82.	Shri Saidas Kishanchand Mehra	155	124.	M/s. Jivanlal Lallobhai & Co.	166
83.	M/s. Dawn India	172	125.	M/s. Kamat & Co.	117
84.	M/s. Dominic & Co.	10	126.	M/s. Harman Bros. (Agents)	112
85.	Shri Nathumal Navalrai	57	127.	M/s. Ramji Dayal Kothari	347
86.	Shri K.A. Kulkarni	282	128.	Shri Mohanlal Liladhar Joshi	2
87.	Shri A.M. Baraskar	60			
88.	Shri Asia Transport	198			
89.	M/s. Narayansingh & Co.	144			
90.	M/s. Tulsidas Khimni Pvt. Ltd.	3			
91.	M/s. Lee & Muirhead (I) Pvt. Ltd.	23			
92.	M/s. Airfreight Pvt. Ltd.	43			
93.	M/s. N.S. Guzder & Co. Pvt. Ltd.	58			
94.	M/s. Khimji Poonja & Co.	20			
95.	M/s. Jeena & Co.	22			
96.	M/s. Sylvester & Co.	31			
97.	M/s. S.D. Engineer & Son	47			
98.	M/s. P. Cawasji & Co.	66			

30

A. T. ZAMZRE, Presiding Officer

[No. 28/14/67-LR. III/P&D]

V. SANKARALINGAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1973

का० प्र० 3498.—चूना-पत्थर और होलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि नियम 1973, के नियम 2 के उप-नियम (5) के साथ पठित चूना-पत्थर और होलोमाइट खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1972, की धारा 8 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार, नीचे दी गई सारणी के स्तम्भ 2 में उल्लिखित प्रत्येक अधि-कारी को, इस अधिनियम के प्रयोजनों के लिए, उक्त सारणी के स्तम्भ 4 में तत्स्थानी प्रविष्टि में निर्दिष्ट राज्यों में चूना-पत्थर और और होलोमाइट खान कल्याण तथा उपकर आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

सारणी

APPENDIX 'B'		
EMPLOYERS WHO HAVE SIGNED THE APPLICATION TO TRIBUNAL		
Sl. No.	Name	Sr. No. in the Order of Reference
1	2	3
99.	M/s. Express Transport Pvt. Ltd.	4
100.	M/s. Purshotamdas Madhavni & Co. Pvt. Ltd.	56
101.	M/s. Vinsons	126
102.	M/s. Bhagat & Co.	50
103.	M/s. J.E. Kapadia & Co.	109
104.	M/s. Shantilal Thakersey & Sons	71
105.	M/s. Tulsidas Valji & Co.	104
106.	M/s. Bombay Clearing Agency	218
107.	M/s. Mangaldas & Brothers	355
108.	M/s. Setna & Co.	119
109.	M/s. J.S. Pimenta & Sons	86
110.	M/s. Jepsens & Co.	84
111.	M/s. M.C. Gupta & Sons	52

क्रम संख्या	अधिकारी का नाम और पदनाम	मुख्यालय	उनकी अधिकारिता के अन्तर्गत राज्यों के नाम
(1)	श्री एन०एम० खानवासी, उप-कोयला खान कल्याण आयुक्त, जबलपुर।	जबलपुर	मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र
(2)	श्री धार० सी० पात्रा, लोह-अयस्क खान कल्याण आयुक्त, उड़ीसा।	भुवनेश्वर	उड़ीसा, पश्चिम बंगाल और असम।
(3)	श्री बी० के० सेन, उप-अन्नक खान कल्याण आयुक्त, कर्मा	कर्मा (बिहार)	बिहार, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और जम्मू तथा कश्मीर।
(4)	श्री एन० एल० शर्मा, अन्नक खान कल्याण आयुक्त, धौल-बाड़ा।	धौलबाड़ा	राजस्थान और गुजरात
(5)	श्री गिज़ाया पुरानिक, लोह-अयस्क खान कल्याण आयुक्त, कर्नाटक।	बंगलोर	तमिलनाडु, कर्नाटक और आन्ध्र प्रदेश।

[संख्या एम० 42011/1/73-एमIII/एम पाठ]

बी०के० मन्सेना, अधीक्षक सचिव

New Delhi, the 30th November, 1973

S.O. 3498.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 8 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Act, 1972, read with sub-rule (5) of rule 2 of the Limestone and Dolomite Mines Labour Welfare Fund Rules, 1973, the Central Government appoints each of the Officers mentioned in column 2, of the Table below to be Limestone and Dolomite Mines Welfare and Cess Commissioners for the purposes of this Act in the States specified in the corresponding entry in column 4 of the said Table.

THE TABLE

Sl. No.	Name and Designation of the Officer.	Headquarter	Names of the States in their jurisdiction.
(1)	Shri N.M. Khanwarsi, Dy. Coal Mines Welfare Commissioner, Jabalpure.	Jabalpure	Madhya Pradesh and Maharashtra.
(2)	Shri R.C. Patra, Iron Ore Mines Welfare Commissioner, Orissa.	Bhubaneswar	Orissa, West Bengal and Assam.
(3)	Shri B.K. Sen, Deputy, Mica Mines Welfare Commissioner, Karma.	Karma (Bihar)	Bihar, Uttar Pradesh, Haryana and Jammu and Kashmir.
(4)	Shri N.L. Sharma, Mica Mines Welfare Commissioner, Bhilwara.	Bhilwara	Rajasthan and Gujarat
(5)	Shri Siddayya Puranik, Iron Ore Mines Welfare Commissioner, Karnatka.	Bangalore.	Tamil Nadu, Karnatka and Andhra Pradesh.

[No. M. 42011/1/73-MIII/MV (Pt.)]

B. K. SAKSENA, Under Secy.

New Delhi, the 4th December, 1973

S.O. 3499.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Arbitrator in the industrial dispute between the employers in relation to Bhakra Management Board and its workmen which was referred by the Central Government on the 30th November 1973.

In the matter of arbitration under Section 10 A of the Industrial Disputes Act, 1947 in the dispute between the Management of Bhakra Nangal Workshop, Nangal and their workmen represented by Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal.

BEFORE DEPUTY CHIEF COMMISSIONER (CENTRAL) AND ARBITRATOR

Ref. No. Com. I-25(44) of 1973

Present :

Representing Management : Shri Charan Singh, Sub Divisional Officer, Nangal Workshop Division, Bhakra Management Board, Nangal Township (Punjab).

Representing Workmen : Shri Ram Kishan Singh, General Secretary, Nangal Bhakra Mazdoor Sangh, Nangal Township (Punjab).

AWARD

By an agreement dated 5-5-1973, the parties named above agreed to refer the following dispute for my arbitration under Section 10 A of the Industrial Disputes Act, 1947 :—

"Whether the action of the Management of Nangal Workshop of Bhakra Management Board, Nangal

Township in promoting Shri Sucha Singh as Electrician Grade II with effect from 1st August 1971 instead of 1st February 1971 is legal and justified? If not, to what relief is he entitled?"

The said agreement was published in the relevant part of the Gazette of India, vide Government of India, Ministry of Labour & Rehabilitation, Department of Labour & Employment notification No. L. 42012/17/73-LR III dated 7-6-1973. Under the agreement, the parties had agreed to abide by my decision and I was to give my award within a period of three months, but by mutual agreement in writing the parties extended the date for giving the award till 30th November, 1973.

2. After receipt of the written statements from the management and the union, I heard the parties, after a few postponements at the request of the parties, finally in my office at New Delhi on 5-11-1973.

3. The brief history of the case is that the management took a decision to promote all junior trade workmen in grade II (Rs. 100-4-140-5-160) from 1-1-1970 but the decision was taken to implement the same w.e.f. 1-2-1971 in respect of all such workmen. (The grade applicable to them prior to this revision was Rs. 50-55). Shri Sucha Singh who was also a junior trade workman (junior electrician) should have also been likewise promoted to the above grade but since an enquiry was pending against him, he was promoted to the above grade w.e.f. 1-8-1971 instead of 1-2-1971. The dispute has arisen over the issue of his non-promotion w.e.f. 1-2-1971.

4. During the hearing, Shri Ram Kishan Singh, the representative of the union stated that Shri Sucha Singh was promoted to the higher grade from 1-8-1971 instead of 1-2-1971 only because he had made an application on 23-10-1970 for the grant of leave on 30-10-1970 on the plea of sickness as he was supposed to apply for leave one week earlier according to the Standing Instructions of the Department. He further stated that there was nothing wrong on the part of Shri Sucha Singh in having made this application for leave a week in advance and that had he not done so, the management would have proceeded against him for not complying with the Departmental Instructions. He said that on 24-10-1970 when Shri Sucha Singh was on duty, the S.D.O. Shri A. S. Nagi enquired from Shri Sucha Singh as to how he could foresee a week in advance that he would fall sick on 30-10-1970 to which Shri Sucha Singh replied that according to the Standing Instructions of the Department, he has to apply one week earlier and that usually he fall ill on the second day after Dewali every year. He said that S.D.O. Shri Nagi not only abused Shri Sucha Singh but also man-handled him on the very day and the same was reported by Shri Sucha Singh to the Superintendent, Nangal Workshop on 27-10-1970. Thereafter, he said, that the S.D.O. Shri Nagi called for the explanation of Shri Sucha Singh, vide his letter No. 993/7-E dated 18-11-1970 for making false allegations against him to the Superintendent to which Shri Sucha Singh replied, vide his letter dated 20-11-1970. He added that thereafter, the Superintendent, Nangal Workshop charge-sheeted Shri Sucha Singh, vide his letter No. 19757/50-E dated 17-12-1970 for refusing to write the correct reason in the application for leave on 30-10-1970 and for misrepresenting and making false allegations against Shri A. S. Nagi, S.D.O., to which Shri Sucha Singh replied, vide his letter dated 21-12-1970 denying the charges. He further added that the Superintendent, Nangal Workshop did not consider his explanation satisfactory and therefore appointed an Enquiry Officer, but no intimation about appointment of an Enquiry Officer was given to Shri Sucha Singh which was against the principles of natural justice. He further argued that from the letter No. 32-34/7-E dated 15-1-1971 of the Enquiry Officer, it would be seen that the enquiry was not against Shri Sucha Singh but against Shri A. S. Nagi, S.D.O. but the Enquiry Officer did not intimate Shri Sucha Singh as to whether the said enquiry was being conducted either for the charges levelled by the S.D.O. Shri A. S. Nagi against Shri Sucha Singh or for the charges levelled by Shri Sucha Singh against the S.D.O. Shri A. S. Nagi. Apart from this, he said that neither any opportunity was given to Shri Sucha Singh for producing his witnesses in the enquiry nor he was told about the specific charges for which the enquiry was being held. He said that later on, the Labour Welfare Officer, after discussion with the

Superintendent, Nangal Workshop, requested the union to persuade Shri Sucha Singh for withdrawal of his complaint against Shri A. S. Nagi, S.D.O. and also gave a verbal assurance that promotion would be given to Shri Sucha Singh from the due date i.e. from 1-2-1971 and though Shri Sucha Singh agreed for withdrawal of his complaint, he was promoted to the higher grade from 1-8-1971 instead of 1-2-1971. He pleaded that when the charges against Shri Sucha Singh were not proved, it was not correct on the part of the management not to promote him from the due date i.e. from 1-2-1971 and urged that the same be given to him from that date.

5. Shri Charan Singh, the representative of the Management stated that Shri Sucha Singh, junior electrician applied for sick leave on 23-10-1970 stating that he would be sick on 30-10-1970 on which he was asked by Shri A. S. Nagi, S.D.O. incharge that he should indicate the correct reason as it was not possible for him to anticipate the sickness a week earlier. He said that accordingly he was advised by the S.D.O. to amend his application, but he declined to do so and insisted that he would be sick on that day and therefore he had applied for leave. He said, on this account, the S.D.O. represented to the Superintendent, Nangal Workshop that no sick leave could be granted to Shri Sucha Singh a week earlier since, even after persuasion, he refused to amend his application and state the correct purpose of leave. He added that as there was some exchange of words between Shri A. S. Nagi, S.D.O. and Shri Sucha Singh at 4.30 P. M. on 24-10-1970 near Telephone Exchange, the workman made a complaint to the Superintendent, Nangal Workshop on 27-10-1970 that he was abused and threatened by Shri Nagi, S.D.O. due to which he became unconscious and sustained head injuries. He further said that on receipt of representation from the workman, the Superintendent, Nangal Workshop asked for comments of the S.D.O. Shri Nagi on the allegations made against him by Shri Sucha Singh, vide his letter dated 30-10-1970. He added that Shri A. S. Nagi, S.D.O. explained the facts to the Superintendent, Nangal Workshop, vide his letter No. 947/7-E dated 5-11-1970 and hence the Superintendent, Nangal Workshop directed Shri Nagi, S.D.O., to call for the explanation of Shri Sucha Singh for misrepresenting and making false allegations against Shri Nagi, S.D.O. vide his letter No. 2094 dated 17-11-70. Shri Nagi, S.D.O. called for the explanation of Shri Sucha Singh, vide his letter No. 993/7-E dated 18-11-1970 which was also acknowledged by Shri Sucha Singh on the same day. In the said letter, the S.D.O. had asked Shri Sucha Singh to explain within four days as to why disciplinary action should not be taken against him for misrepresenting and making false allegations against him. Shri Sucha Singh gave his reply on 20-11-1970 which was forwarded to the Superintendent, Nangal Workshop by the S.D.O. on 26-11-1970. He added that thereafter the Superintendent, Nangal Workshop, issued charge-sheet to Shri Sucha Singh on 17-12-1970 to which Shri Sucha Singh replied on 21-12-1970 and confirmed that whatever he had stated in his reply dated 20-11-1970 to the charge-sheet was correct. He added that the Superintendent, Nangal Workshop, appointed Shri D. K. Verma, S.D.O. (Mechanical), to enquire into the matter, vide his letter dated 24-12-1970 and also forwarded to him all the relevant papers. The first meeting was held by the Enquiry Officer on 4-3-1971 in which Shri Sucha Singh was cross-examined and during the cross examination, he did not produce any witness to prove his allegations. During the enquiry, he was also asked as to whether he had reported about the incident to the Shift in-charge to which he replied in the negative. The enquiry was postponed to 19-4-1971, but Shri Sucha Singh neither appeared before the Enquiry Officer on that date nor gave any reasons for his non-appearance. He said that on 23-4-1971, Shri Sucha Singh requested the Superintendent, Nangal Workshop that he desired to withdraw the complaint and that he be promoted from 1-2-1971. The Superintendent, Nangal Workshop again informed the workman, vide his letter dated 15-6-1971, that his explanation was not satisfactory and he was asked to withdraw his complaint unconditionally for taking further action with regard to his promotion. The workman withdrew the complaint unconditionally on 15-7-1971 and hence his case was recommended for promotion from 1-8-1971 and the same was also approved by the Superintending Engineer. This promotion letter was also received by the workman. He argued that if the Department had any illwill against the workman for making false allegation against his officer-in-charge, they could have as well taken disciplinary action against him but they took

a lenient view following unconditional withdrawal of the complaint by the workman and promoted him to the higher grade from 1-8-1971.

6. In this particular case, I am of the opinion that the management has punished Shri Sucha Singh by not giving him promotion to the higher grade from the due date i.e. from 1-2-1971 on which date all other junior trade workmen were promoted, without establishing the charges levelled against the workman. It is true that the workman could not have foreseen a week earlier that he would fall sick and therefore the reason given by him in his leave application dated 23-10-1970 cannot be deemed as valid. I have gone through the whole case carefully and I feel that the punishment meted out to the workman is harsh and not proportionate to the offence committed by the workman. The charges levelled against the workman were that he did not give correct purpose in his leave application and that he made false allegation to the higher authorities that he was abused and man-handled by the S.D.O. Shri A. S. Nagi. As regards the first charge, it is true that there was a lapse on his part in not having given the correct purpose in his application for leave which being a minor one, no such harsh punishment should have been inflicted upon him. The second charge that he made false allegation to the higher authorities that he was abused and man-handled by Shri A. S. Nagi, S.D.O. was not proved at all and the Enquiry Officer having not completed his enquiry, the workman cannot be held guilty of the said charge. On the contrary, there is evidence on record that at the instance of Labour Welfare Officer, the workman was persuaded to withdraw his complaint on a reported assurance that he would be given promotion to the higher grade w.e.f. 1-2-1971 on which date all other junior trade workmen were promoted. Perhaps on the basis of this assurance along, the workman, while withdrawing his complaint through his letters dated 23-4-1971 and 15-7-1971, had all the time stressed that he should be given his due promotion w.e.f. 1-2-1971. On receipt of his first letter dated 23-4-1971, though the Superintendent, Nangal Workshop, vide his letter No. 7592/95-50-G dated 15-6-1971 asked the workman to withdraw his complaint unconditionally and the workman in his letter dated 15-7-1971 though said that he was withdrawing his complaint unconditionally, he had made it clear in the said letter that he should be given promotion from the due date. From this, it is very clear that he had withdrawn his complaint in good faith in the belief that he would be given his promotion from the due date i.e. 1-2-1971. Apart from this, I have also gone through the provisions contained in the Certified Standing Orders of the establishment. Clauses 14(1) & (2) of the C. S. Os relate to imposition of fine, suspension without pay not exceeding 4 days at a time or dismissal without notice or any compensation in lieu of notice and in the said clauses, there is no provision for withholding of promotion of a workman. Besides this, clause 14(6) of the C. S. Os clearly states that while awarding punishment under the Standing Orders, the Executive Engineer shall take into account the gravity of the misconduct, the previous record if any of the workman and other extenuating or aggravating circumstances that may exist. While awarding the punishment of withholding promotion from the due date in the case of Shri Sucha Singh, the management has not taken into account this aspect. I therefore hold that the punishment imposed on the workman is excessive and direct that Shri Sucha Singh be given promotion as Electrician Grade II with effect from 1st February 1971. Consequently, I also direct that his date of increments should also be changed from 1-8-1972 and 1-8-1973 to 1-2-1972 and 1-2-1973 respectively and the arrears arising on this account shall be paid to him within thirty days from the date of publication of this award.

7. I give my award accordingly.

T. T. TAYADE, Dy. Chief Labour Commissioner
(Central & Arbitrator).

[No. L. 42012/17/73/J.R.III]

K. M. TRIPATHI, Under Secy.

भ्रम मंत्रालय

नई दिल्ली, 1 दिसम्बर, 1973

आ. आ. ३२००—सतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॉर्स एसोशिएट्स ट्रांसपोर्ट कारपोरेशन प्रोमोशन सेक्टर

127-बी, कल्याण स्ट्रीट, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35018(48)/73-पी. एफ. 2(1)]

New Delhi, the 1st December, 1973

S.O. 3500.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Associated Transport Corporation, Prestige Chambers, 127-B, Kalyan Street, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(48)/73-PF. II(i)]

का. आ. 3501.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स हिरजी वीरजी ट्रांसपोर्ट कम्पनी, 4, मिर्ची गली, मसजिब स्टेशन के सामने, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के दिसम्बर के इकतीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35018(72)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3501.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Hiji Virji Transport Company, 4, Mirchi Galli opposite Masjid, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(72)/73-PF. II]

का. आ. 3502.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संवत् 1972 में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जून, 1972 से मैसेर्स राम कुमार गुप्ता एण्ड सन्स, प्राइवेट लिमिटेड, 16-ए, फ्रेंड्स कॉलोनी, नई दिल्ली नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियमित करती है ।

[सं. एस-35019(123)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3502.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of June, 1972 the establishment known as Messrs Ram Kumar Gupta & Sons Private Limited, 16-A, Friends Colony, New Delhi for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(123)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3503.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स हरियाणा हिन्दी ग्रंथ अकादमी, चण्डीगढ़ नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(38)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3503.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Haryana Hindi Granth Akademi, Chandigarh have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the third day of March, 1972.

[No. S. 35019(38)/73-PF. II]

का. आ. 3504.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स जाली इंजीनियरिंग एण्ड कांस्ट्रक्चर्स (प्राइवेट) लिमिटेड, आ/एस. गान्धी गली, अमृतसर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है ।

यह अधिसूचना 1973 की जनवरी के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी ।

[सं. एस-35019(39)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3504.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Jolly Engineers and Contractors (Private) Limited, O/S. Gandhi Gate, Amritsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1973.

[No. S-35019(39)/73/PF-II(i)]

का. आ. 3505.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जेमस्प्रिंग इंजीनियर वर्क्स, 7, एल, कमरदंगा रोड, कलकत्ता-46 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कट्टम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(4)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3505.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gemspring Engineer Works, 7L, Kamaradanga Road, Calcutta-46 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1971.

[No. S. 35017(4)/73-PF. II]

का. आ. 3506.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शक्ति गढ़ कोल्ड स्टोरेज, डाकघर शक्तिगढ़, बर्दवान नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कट्टम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के मार्च के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(41)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3506.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shaktigarh Cold Storage, G.T. Road, Post Shaktigarh, Burdwan have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment;

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of March, 1972.

[No. S. 35017(41)/73-PF. II]

का. आ. 3507.—कर्मचारी भविष्य निधि और कट्टम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 जनवरी, 1973 से मैसर्स जाली इंजीनियरिंग एण्ड कंस्ट्रक्टेड (प्राइवेट) लिमिटेड, ओ/एस गांधी गली अमृतसर नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(39)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3507.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 1st day of January, 1973 the establishment known as Messrs Jolly Engineers and Contractors (Private) Limited, O/S Gandhi Gate, Amritsar, for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(39)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3508.—कर्मचारी भविष्य निधि और कट्टम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 जून, 1972 से मैसर्स एसोसिएटेड कारपोरेशन, प्रेसिडेंट चैंबर्स, 127-बी, कल्याण स्ट्रीट, मुम्बई-9 नामक स्थापना को एतद्वारा उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35018(48)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3508.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirtieth day of June, 1972 the establishment known as Messrs Associated Transport Corporation, Prestige Chambers, 127-B, Kalyan Street, Bombay-9 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(48)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3509.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स राम कुमार गुप्ता एण्ड सन्स प्राइवेट लिमिटेड, 18-ए, फ्रेंड्स कालोनी, नई दिल्ली नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कट्टम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(123)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3509.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Ram Kumar Gupta & Sons Private Limited, 16-A, Friends Colony, New Delhi have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1972.

[No. S. 35019(123)/73-PF. II(i)]

का. आ. 3510.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पंजाब मोटर्स, कुराली (रोपड़) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन लागू करती है।

यह अधिसूचना 1973 की जुलाई के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(133)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3510.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Punjab Motors, Kurali (Ropar) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of July, 1973.

[No. S-35019(133)/73-PF. II]

का. आ. 3511.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स आनन्द सिन्धेचम प्राइवेट लिमिटेड, डोम्बिवली, मनपाड़ा, तालुका कल्याण, जिला थाना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के अगस्त के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(74)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3511.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Anand Synthochem Private Limited, Dombivli, Manpada Road, Taluka Kalyan, District Thana have agreed to that the provisions

of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of August, 1971.

[No. S-35019(74)/73-PF. II(i)]

का. आ. 3512.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 अगस्त, 1971 से मैसर्स सिन्धेचम प्राइवेट लिमिटेड डोम्बिवली, मनपाड़ा रोड, तालुका कल्याण जिला थाना नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनीर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35019(74)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3512.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st August 1971 the establishment known as Messrs Anand Synthochem Private Limited, Dambivli, Manpada Road, Taluka Kalyan, District Thana, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(74)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3513.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सेलचम, बरार हाउस, प्रथम मंजिल, अब्दुल रहमान स्ट्रीट, मुम्बई-3 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के दिसम्बर के इक्कीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(71)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3513.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Selchem, Barar House, 1st Floor, Abdul Rehman Street, Bombay-3 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1971.

[No. S-35018(71)/73-PF-II]

का. आ. 3514.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स थानजॉर लेंडर वर्कर्स कांजापरीटिव सोसाइटी लिमिटेड, 69, गांधीजी रोड, थानजौर-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिनियम 1973 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35019(40)/73-पी. दफ. 2]

S.O. 3514.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Thanjavur Leather Workers Cooperative Industrial Society Limited, 69 Gandhiji Road Thanjavur-1 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1973.

[No. S-35019(40)/73-PF. II]

का. आ. 3515.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स आरने इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 405, मीराबेली होटल, मरीन लाइन्स, मुम्बई-20 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के जून के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(43)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3515.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Saen Industries (Private) Limited, 405, Mirabella Hotel, Marine Lines, Bombay-20 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of June, 1972.

[No. S. 35018(43)/73/PF. II(1)]

का. आ. 3516.—कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इस विषय में आवश्यक जांच कर लेने के पश्चात् मॅसर्स शक्ति ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, 15-16, सीमेंट चाल, माधवराव रोकडे स्ट्रीट, मुम्बई-9 नामक स्थापन को 31 जनवरी, 1972 से उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियमित करती है।

[सं. एस-35018(73)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3516.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of January, 1972, the establishment known as Messrs Shakti Transport Private Limited, 15-16 Cement Chawl, Madhavrao Rokde Street, Bombay-9, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(73)/73-PF. II(ii)]

का. आ. 3517.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स विस्त स्टील ट्रेडर (प्राइवेट) लिमिटेड, के. पारिख हाउस, 47, डीमेलो रोड, मुम्बई-9 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 की जुलाई के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(47)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3517.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Wist Steel Trader (Private) Limited K. Parikh House, 47, D'Mello Road, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of July, 1972.

[No. S-35018(47)/73-PF. II(1)]

का. आ. 3518.—यतः केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मॅसर्स सबर्बन बस सिंडीकेट, 1-ए, भवनाथ सेन स्ट्रीट, कलकत्ता-4 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1971 के दिसम्बर के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35017(28)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3518.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Suburban Bus Syndicate, 1-A, Bhubanath Sen Street, Calcutta-4 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of December, 1971.

[No. S-35017(28)/73-PF-II(i)]

का. आ. 3518.—केंद्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 दिसम्बर, 1971 से मैसेर्स सबर्बन बस सिंडिकेट, 1-ए, भवनाथ सेन स्ट्रीट, कलकत्ता-4 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती हैं।

[संख्या एस-35017(28)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3519.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 31st day of December, 1971 the establishment known as Messrs. Suburban Bus Syndicate, 1-A, Bhabanath Sen Street, Calcutta-4, for the purposes of the said proviso.

[No. S-35017(28)/73-PF-II(ii)]

का. आ. 3520.—केंद्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 30 जून, 1972 से मैसेर्स आरेन इण्डस्ट्रीज (प्राइवेट) लिमिटेड, 405, मीराबेली होटल, मरीन लाइन्स, मुम्बई-20, नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती हैं।

[संख्या एस-35. 18(43)/73-पी.एफ. 2(2)]

S.O. 3520.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the 30th day of June, 1972 the establishment known as Messrs. Aaren Industries (Private) Limited, 405, Mirabella Hotel, Marine Lines, Bombay-20 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(43)/73-PF-II(ii)]

का. आ. 3521.—यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स शक्ति ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड, 15-16, सीमेंट चाल माधराव रोकडे स्ट्रीट, मुम्बई-9 नामक स्थापन से संबंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1972 की जनवरी के इकतीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस-35018(73)/73-पी. एफ. 2(1)]

S.O. 3521.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Shakti Transport Private Limited, 15-16 Cement Chawl, Madhavrao Rokde Street, Bombay-9 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1972.

[No. S-35018(73)/73-PF. II(i)]

का. आ. 3522.—यतः केंद्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसेर्स लक्ष्मी सरस्वती रोडवेज, 49, बिग बाजार स्ट्रीट पट्टुकुट्टाई, थानजवर जिला, नामक स्थापन से सम्बंधित नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबंध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 का उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केंद्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबंध उक्त स्थापन को लागू करती हैं।

यह अधिसूचना 1973 के जून के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[संख्या एस-35019(137)/73-पी. एफ. 2]

S.O. 3522.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Lakshmi Sareswathi Roadways, 49, Big Bazar Street, Pattukkottai Thanjavur District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952

(19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of June, 1973.

[No. S-35018(47)/73-P.F. II]

का. आ. 3523.—केंद्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए सम्बन्ध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 31 जुलाई, 1972 से मैसेर्स विस्ट स्टील ट्रेडर (प्राइवेट) लिमिटेड, के. पारिख हाउस, 47, पी. डी. मेलो रोड, मुम्बई-9 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एस-35018(47)/73-पी. एफ. 2(2)]

S.O. 3523.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first day of July, 1972 the establishment known as Messrs. Wist Steel Trader (Private) Limited, K. Parikh House, 47, P. D'Mello Road, Bombay-9 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018(47)/73-PF. II (ii)]

नई दिल्ली, 3 दिसम्बर, 1973

का. आ. 3524.—यतः केंद्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (ग) के अनुसरण में श्री बाल गोविन्द वर्मा, श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री को श्री जी. वेंकटस्वामी के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम के रूप में नामजद किया है;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना संख्या का. आ. 2763, तारीख 27 मई, 1971 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केंद्रीय सरकार द्वारा धारा 4 के खण्ड (ग) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शीर्षक के नीचे, मद्द 2क के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“श्री बाल गोविन्द वर्मा,
श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री,
भारत सरकार”।

[फा. सं. यू-16012/19/73-एच. आई (1)]

New Delhi, the 3rd December, 1973

S.O. 3524.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (c) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri Bal Govind Verma, Deputy Minister in the Ministry of Labour as a member of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri G. Venkata Swamy;

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour, Employment and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2763, dated the 27th May, 1971, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the Central Government under clause (c) of section 4)” for the entry against item 2A, the following entry shall be substituted, namely :—

“Shri Bal Govind Verma, Deputy Minister in the Ministry of Labour, Government of India.”

[F. No. U-16012/19/73-HI(i)].

का. आ. 3525.—यतः केंद्रीय सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के खण्ड (क) के अनुसरण में श्री बाल गोविन्द वर्मा, श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री को, श्री जी. वेंकटस्वामी के स्थान पर कर्मचारी राज्य बीमा निगम की स्थायी समिति के अध्यक्ष के रूप में नामजद किया है;

अतः, अब, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 34) की धारा 8 के अनुसरण में, केंद्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम, रोजगार और पुनर्वासि मंत्रालय (श्रम और रोजगार विभाग) की अधिसूचना सं. का. आ. 3910, तारीख 17 सितम्बर, 1971 में, निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में “(केंद्रीय सरकार द्वारा धारा 8 के खण्ड (क) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शीर्षक के नीचे मद्द 1 के सामने की प्रविष्टि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टि प्रस्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

“श्री बाल गोविन्द वर्मा,
श्रम मंत्रालय में उप-मंत्री,
भारत सरकार”।

[फा. सं. यू-16012/19/73-एच. आई (2)]

दलजीत सिंह, अवर सचिव।

S.O. 3525.—Whereas the Central Government has, in pursuance of clause (a) of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), nominated Shri Bal Govind Verma, Deputy Minister in the Ministry of Labour as the Chairman of the Standing Committee of the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri G. Venkata Swamy;

Now, therefore, in pursuance of section 8 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central

Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 3910, dated the 17th September, 1971, namely :—

In the said notification, under the heading "(Nominated, by the Central Government under clause (a) of section 8)", for the entry against item 1, the following entry shall be substituted, namely :—

"Shri Bal Govind Verma, Deputy Minister in the Ministry of Labour, Government of India."

[F. No. U-16012/19/73-HI(ii)].

DALJIT SINGH, Under Secy.

पूरी और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

नई दिल्ली, 21 नवम्बर, 1973

का. आ. 3526.—विस्थापित व्यक्ति (प्रतिकर एवं पुनर्वास) अधिनियम 1954 (1954 की 44) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार, पुनर्वास विभाग (मुख्य बन्दोबस्त आयुक्त का कार्यालय) की अधिसूचना संख्या का. आ. 2524 दिनांक 7 जून, 1971 में आदेशिक संशोधन करते हुए केंद्रीय सरकार इसके द्वारा हिमाचल प्रदेश सरकार के अवर सचिव (राजस्व) को हिमाचल प्रदेश के अवर सचिव के कार्यों के अतिरिक्त उक्त अधिनियम द्वारा या उसके अन्तर्गत 'पैकेज डील' या प्रशासनिक तथा वित्तीय व्यवस्थाओं के अधीन

राज्य सरकार को हस्तांतरित प्रतिकर पूल की अर्जित निष्क्रान्त शहरी तथा ग्रामीण सम्पत्तियों और शहरी तथा ग्रामीण कृषि भूमि के संबंध में अतिरिक्त बन्दोबस्त आयुक्त को सौंपे गए कार्यों को करने के लिए अतिरिक्त बन्दोबस्त आयुक्त के रूप में नियुक्त करती है।

[संख्या 3(16)/69-एल. एण्ड आर/वि. सेल/एस. एम.-4(खण्ड 2)]

दीनानाथ असीजा, अवर सचिव।

MINISTRY OF SUPPLY AND REHABILITATION

(Department of Rehabilitation)

New Delhi, the 21st November, 1973

S.O. 3526.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (44 of 1954), and in partial modification of the Notification of the Government of India in the Department of Rehabilitation (Office of the Chief Settlement Commissioner) No. S.O. 2524 dated the 7th June, 1971, the Central Government hereby appoints the Under Secretary (Revenue) of the Government of Himachal Pradesh, as Additional Settlement Commissioner for the purpose of performing, in addition to his own duties as Under Secretary (Revenue) of the Government of Himachal Pradesh, the functions assigned to an Additional Settlement Commissioner, by or under the said Act, in respect of acquired evacuee urban and rural properties and urban and rural agricultural lands forming part of the Compensation Pool, transferred to the State Government in 'Package Deal' or under Administrative and Financial arrangements.

[No. 3(16)/69-L&R/Spl. Cell/SS IV (Vol. II)]

D. N. ASIJA, Under Secy.